राजधानी लखनऊ, जौनपुर एवं भदोही से प्रकाशित

R.N.I NO - UPHIN/2002/23967

देश की उपासना

(हिन्दी साप्ताहिक)

www.deshkiupasana.com & www.deshkiupasana.in

वर्ष – 23 | अंक – 33 | लखनऊ, 19 नवम्बर 2025 | पृष्ठ – 08 | मूल्य – 2.00 रूपये

सीएम योगी ने गोरखपुर में विधि विज्ञान प्रयोगशाला का उद्घाटन किया

गोरखपुर, (संवाददाता)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि 2017 के बाद का नया उत्तर प्रदेश अपराध को कतई स्वीकार नहीं करता है। यदि किसी ने यहां अपराध करने की जुर्रत की तो उसे हरहाल में उसकी कीमत भी चुकानी होगी। वह दौर खत्म हो गया जब पीड़ित तड़पता, भटकता था और अपराधी मौज–मस्ती करते थे। अब प्रदेश सरकार ने जीरो टॉलरेंस की नीति के तहत साक्ष्य संकलन और फॉरेंसिक साइंस लैब्स (विधि विज्ञान प्रयोगशाला) के जरिए इसके प्रमाणन की ऐसी व्यवस्था सुनिश्चित कर दी है कि कोई भी अपराधी बच नहीं पाएगा। सीएम योगी मंगलवार को बी से ए क्लास में उच्चीकृत क्षेत्रीय विधि विज्ञान प्रयोगशाला (आरएफएसएल) गोरखपुर के नवीन उच्चीकृत भवन के लोकार्पण समारोह को संबोधित कर रहे थे। छह मंजिला हाईटेक नवीन भवन के निर्माण पर 72.78 करोड़ रुपये की लागत आई है। उच्चीकृत आरएफएसएल का फीता काटकर उद्घाटन करने और यहां की व्यवस्थाओं का निरीक्षण करने के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उपस्थित जनसमूह को संबोधित किया। उन्होंने फॉरेंसिक जांच की अत्याधुनिक सौगात के लिए पूर्वी उत्तर प्रदेश की जनता को बधाई देते हुए कहा कि आबादी के लिहाज से देश का सबसे बड़ा राज्य होने के बावजूद 2017 से पहले उत्तर प्रदेश में

उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन से मिले जगदीप धनखड

नई दिल्ली, (एजेंसी)। पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने आज उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन से मुलाकात की है। बता दें कि उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन के शपथ ग्रहण समारोह के बाद ये दोनों की पहली औपचारिक मुलाकात है। पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने 21 जुलाई को स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए उपराष्ट्रपति पद से इस्तीफा दे दिया था। उनके अचानक इस्तीफे के बाद इस पद के लिए चुनाव हुए थे। अधिकारियों ने बताया कि आलीशान उपराष्ट्रपति एन्क्लेव में रहने वाले पहले उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने आज दोपहर राधाकृष्णन से मुलाकात की। सितंबर में सीपी राधाकृष्णन के उपराष्ट्रपति पद की शपथ लेने के बाद से यह दोनों की पहली मुलाकात है। जगदीप धनखड़ ने आखिरी बार राधाकृष्णन से राष्ट्रपति भवन में उनके शपथ ग्रहण समारोह में मुलाकात की थी। उपराष्ट्रपति एन्क्लेव में रहने वाले पहले शख्स है धनखड़ उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन मौलाना आजाद रोड स्थित उपराष्ट्रपति निवास में रहते थे। लगभग दो साल पहले, उपराष्ट्रपति एन्क्लेव उनका नया आधिकारिक निवास बन गया।

प्रधानमंत्री मोदी के सामने मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने रखी कर्नाटक की अहम मांगें

कर्नाटक, (एजेंसी)। मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की और एक ज्ञापन सौंपकर केंद्र से सिंचाई, पेयजल आपूर्ति, बाढ़ मुआवजा, गन्ना मूल्य निर्धारण और रायचूर में एम्स की स्थापना के लंबे समय से लंबित अनुरोध से जुड़े लंबित मुद्दों पर कार्रवाई करने का आग्रह किया। मुलाकात के बाद पत्रकारों से बात करते हुए, सिद्धारमैया ने कहा कि उन्होंने प्रधानमंत्री से जल–संबंधी कई परियोजनाओं को मंजूरी देने में मदद करने का अनुरोध किया। उन्होंने समाथोलाना बैराज परियोजना के लिए मंजूरी मांगी और अनुरोध किया कि केंद्रीय जल आयोग को इस परियोजना की प्रगति के लिए आवश्यक निर्णय लेने का निर्देश दिया जाए। उन्होंने कृष्णा जल विवाद न्यायाधिकरण के दूसरे फैसले की राजपत्र अधिसूचना जारी करने की भी माँग की, जिस पर उन्होंने कहा कि एक दशक से कार्रवाई का इंतजार है। सिद्धारमैया ने केंद्र से भद्रा ऊपरी नहर परियोजना के लिए 5,300 करोड़ जारी करने का भी अनुरोध किया, जिसकी घोषणा पहले केंद्रीय बजट में की जा चुकी थी। गन्ना मूल्य पर सिद्धरमैया की मांग उत्तर कर्नाटक में गन्ना खरीद मूल्य में वृद्धि की मांग को लेकर किसानों के विरोध प्रदर्शन के बीच आई है। मुख्यमंत्री ने मोदी को दिए ज्ञापन में बाढ़ राहत के लिए 2,100 करोड़ रुपये से अधिक की राशि जारी करने तथा महत्वपूर्ण सिंचाई परियोजनाओं को मंजूरी देने समेत राज्य की कई पुरानी मांगों को उठाया।

कांग्रेस सांसद ने बताई बिहार में एनडीए की जीत की वजह, नीतीश सरकार की इस योजना को बताया गेमचेंजर

चेन्नई, (एजेंसी)। बिहार विधानसभा चुनाव में एनडीए की प्रचंड जीत के बाद राजनीतिक पंडित हार–जीत का विश्लेषण करने में जुटे हैं। अब कांग्रेस सांसद कार्ती चिदंबरम ने भी माना है कि बिहार में एनडीए की जीत में कई अहम फैक्टर रहे। कार्ती चिदंबरम ने बताया कि एनडीए की सोशल इंजीनयरिंग और महिला मतदाताओं को लुभाने की रणनीति कारगर रही। कार्ती चिदंबरम ने देश में वंशवादी राजनीति पर भी बात की और इसका बचाव किया। साथ ही कहा कि तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में डीएमके इंडी गठबंधन का नेतृत्व करेगी। कांग्रेस सांसद कार्ती चिदंबरम ने कहा कि मेरा विश्लेषण ये कहता है कि कांग्रेस पार्टी का बिहार में वोट प्रतिशत एकजुट रहा। साल 2020 के विधानसभा चुनाव का वोट प्रतिशत

और 2025 के विधानसभा चुनाव का वोट प्रतिशत लगभग समान है। राजद के साथ भी ऐसा ही है। जो अंतर पैदा किया वो लोजपा रामविलास पासवान ने किया। पिछले चुनाव में लोजपा ने अकेले चुनाव लड़ा और इस चुनाव में वे एनडीए के साथ चुनाव लड़े। लोजपा को 29 सीटें दी गईं और उन्होंने 19 सीटों पर जीत दर्ज की। साथ ही 5 प्रतिशत वोट शेयर कब्जाया। इसी ने अंतर पैदा किया। कार्ती चिदंबरम ने कहा कि एनडीए ने कई छोटी पार्टियों से भी गठबंधन किया, जो समुदाय आधारित पार्टियां हैं और इनका वोटबैंक एनडीए को मिला। साथ ही मेरे विचार से 10 हजार रुपये सीधे बैंक खाते में भेजने की योजना एनडीए को महिलाओं का वोट मिला। एआईएमआईएम पार्टी भी अलग होकर चुनाव लड़ी और उसने कांग्रेस के पारंपरिक वोटबैंक में सेंध लगाई। इस तरह ये सिर्फ संतुलन की बात है, जिनके चलते ये नतीजे आए।

दिल्ली ब्लास्ट के आरोपियों को पाताल से ढूंढ लाएंगे : अमित शाह

चंडीगढ़, (एजेंसी)। हरियाणा के सूरजकुंड में उत्तरी क्षेत्रीय परिषद की 32वीं बैठक आयोजित की गई। इसमें हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा है कि राष्ट्र की प्रगति के लिए राज्यों का आपसी सहयोग आवश्यक है। 7 मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा लगातार दिल्ली को अपने हिस्से से अधिक पानी दे रहा है, जबकि एसवाईएल नहर निर्माण के अभाव में पंजाब से उसका वैधानिक हिस्सा नहीं मिल पा रहा है। उन्होंने पंजाब से जल विवादों पर चर्चा करते समय गुरुओं की महान परंपराओं को याद रखने का आग्रह किया और कहा कि जल एक साझा संसाधन है, जिसकी स्वच्छता और उपलब्धता की जिम्मेदारी सभी राज्यों की है। सैनी ने सुझाव दिया कि यदि हरियाणा के कुछ कॉलेज पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ से संबद्ध हो जाते हैं, तो इससे विश्वविद्यालय और प्रदेश के छात्रों दोनों को लाभ मिलेगा। उन्होंने बताया कि सरकार ने संकल्प

पत्र के 217 वादों में से 47 को एक वर्ष में पूरा किया है। 'दीन दयाल लाडो लक्ष्मी' ऐप लॉन्च करने और 5,22,162 महिला लाभार्थियों को 2,100 रुपये की राशि स्थानांतरित करने का उल्लेख करते हुए उन्होंने बताया कि अब तक 8.05 लाख आवेदन प्राप्त हो चुके हैं। सैनी ने कहा कि हरियाणा ने सभी एजेंडा बिंदुओं पर विस्तृत टिप्पणियां दी हैं, और उम्मीद जतायी कि इस बैठक से सहकारी संघवाद को नयी दिशा मिलेगी तथा अंतर–राज्यीय मुद्दों के समाधान में सहमति बनेगी। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने सोमवार को यहां उत्तरी क्षेत्रीय परिषद की 32वीं बैठक में पंजाब विश्वविद्यालय, नदी जल पर अपना दावा दोहराया और देश में वास्तविक संघीय ढांचे की वकालत की। मुख्यमंत्री ने कहा कि संविधान में स्पष्ट रूप से उन क्षेत्रों का सीमांकन किया गया है।

महबूबा मुफ्ती पहले अपनी राजनीतिक स्थिति समझें, जम्मू–कश्मीर के उपमुख्यमंत्री सुरिंदर चौधरी

कश्मीर, (एजेंसी)। जम्मू–कश्मीर के उपमुख्यमंत्री सुरिंदर चौधरी ने पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती के हालिया राजनीतिक बयान पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें पहले यह समझना चाहिए कि वह स्वयं किस राजनीतिक स्थिति में हैं। उन्होंने कहा कि महबूबा कभी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के साथ चुनावी तालमेल करती हैं और कभी ऐसे बयान देती हैं, जिनसे जनता भ्रमित होती है। मुजफ्फरनगर में एक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए बागपत जिले के हेलीपैड पर उतरने के बाद चौधरी संवाददाताओं से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि मुफ्ती यह स्पष्ट नहीं कर पा रही हैं कि जम्मू–कश्मीर में वह किस तरह की राजनीति करना चाहती हैं। जम्मू–कश्मीर के उपमुख्यमंत्री ने कहा, "मुफ्ती को खुद तय करना होगा कि कौन सी लकीर लंबी खींचनी है और कौन सी छोटी। जनता सब देख रही है।" महबूबा मुफ्ती ने हाल में कहा था, ''कश्मीर की आवाज अब लाल किले के सामने सुनाई दे रही है।" इस बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए चौधरी ने कहा कि वह विवादों में पड़ना नहीं चाहते, लेकिन यह सच है कि जम्मू–कश्मीर का नागरिक परिस्थितियों को पूरी समझदारी से परखता है।

संपादकीय

न्यायसंगत आरक्षण

हाल ही में भारत के मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई द्वारा अनुसूचित जाति आरक्षण के लिए क्रीमी लेयर सिद्धांत का समर्थन करने से एक महत्वपूर्ण तार्किक चर्चा फिर से प्रारंभ हो गई है। जिसका मकसद है कि कैसे सकारात्मक पहल करके आरक्षण के उद्देश्य को अधिक न्यायसंगत, लक्षित और प्रभावी बनाया जा सकता है। वास्तव में उनकी पहल का मकसद संवैधानिक सुरक्षा को कमजोर करने का नहीं है। बल्कि यह सुनिश्चित करने का प्रयास है कि आरक्षण का लाभ उन लोगों तक पहुंचे, जिन्हें वास्तव में इसकी सबसे ज्यादा जरूरत है। यानी कि अनुसूचित जाति समुदाय के सबसे गरीब, सामाजिक रूप से सबसे अधिक वंचित और आरक्षण के लाभ में सबसे कम प्रतिनिधित्व करने वाले वर्ग को लाभ पहुंचाने का मकसद पूरा करना। बहुत संभव है कि मुख्य न्यायाधीश के इस विचार से असहमति के तर्क दिये जाएं। वास्तव में, देश में दशकों से आरक्षण की बहस कोटा बढ़ाने पर केंद्रित रही है, लेकिन उनके न्यायसंगत वितरण की दिशा में पर्याप्त पहल नहीं हो पायी है। निर्विवाद रूप से अनुसूचित जाति समुदाय के एक छोटे, अपेक्षाकृत बेहतर आर्थिक–सामाजिक स्थिति वाले वर्ग ने ही बार–बार शिक्षा और सरकारी रोजगार के अवसरों का लाभ उठाया है। वहीं दूसरी ओर पीढ़ी दर पीढ़ी अभावों के भंवर–जाल में फंसे परिवार– मसलन श्रमिक, सफाई कर्मचारी, भूमिहीन मजदूर परिवार लगातार हाशिये पर ही बने हुए हैं। यदि आरक्षण का मूल उद्देश्य संरचनात्मक असंतुलन को ही ठीक करना है तो इसके लाभ सीमित दायरे के लोगों को ही नहीं मिलना चाहिए। उल्लेखनीय है कि ओबीसी वर्ग के लिये यह प्रावधान सफलतापूर्वक लागू किया जा चुका है। इसमें दो राय नहीं कि क्रीमी लेयर का सिद्धांत आरक्षण लाभ में इस तरह के एकाधिकार को रोकने का एक सशक्त साधन है। इस प्रावधान का वंचित अनुसूचित जातियों तक विस्तार करना एक बुनियादी सच्चाई को स्वीकार करता है कि सामाजिक गतिशीलता, हालांकि सीमित स्तर पर कुछ ही लोगों के लिये संभव हुई है। साथ ही अवसरों के अधिक न्यायसंगत वितरण को सुनिश्चित करने के लिये नीति को अनुकूलित किया जाना वक्त की जरूरत है। वास्तव में वर्तमान स्थिति आरक्षण के न्यायसंगत लाभ वंचित वर्ग तक पहुंचाने में तार्किक नजर नहीं आती। जब किसी आईएएस अधिकारी या वरिष्ठ अधिकारी का बच्चा सामाजिक रूप से हाशिये पर गए वर्ग के किसी व्यक्ति के मुकाबले समान लाभों का दावा करना जारी रखता है तो इससे लक्षित उद्देश्य कमजोर हो जाता है। महत्वपूर्ण बात यह है कि क्रीमी लेयर को बाहर करने पर उनके जातिगत भेदभाव होने की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता है। लेकिन यह केवल यही दर्शाता है कि किसी भी ऐतिहासिक रूप से उत्पीड़ित समूह के भीतर, वंचितता की स्थिति अलग–अलग होती है। ऐसी अवस्था में, सबसे निचले स्तर के लोग राज्य के संरक्षण पाने के लिये प्राथमिकता के हकदार हैं। निश्चित रूप से स्पष्ट मानदंड, सामाजिक पिछड़ेपन का सावधानीपूर्वक मूल्यांकन करने और दुरुपयोग को रोकने के लिये कारगर सुरक्षा उपाय होने चाहिए। सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई की टिप्पणी इस बात की ही परिचायक है कि सामाजिक न्याय का विस्तार होना चाहिए। अनुसूचित जातियों के आरक्षण से क्रीमी लेयर को सोच–समझकर बाहर करने से समानता के संवैधानिक वायदे की पुष्टि हो सकती है। इस पहल के विरोध में यह तर्क दिया जा सकता है यदि अनुसूचित जाति वर्ग के आरक्षण के उपवर्गीकरण को मान्यता दी जाती है, तो पहले इससे लाभान्वित लोगों को सुरक्षा कवच न मिल सकेगा। उनका तर्क हो सकता है कि कई बार आरक्षित वर्ग के किसी व्यक्ति को उच्च पद पर पहुंच जाने के बावजूद किसी भेदभाव व उपेक्षा का सामना करना पड़ सकता है। निस्संदेह, इस कथन की तार्किकता विचारणीय है। लेकिन इसका एक निष्कर्ष यह भी हो सकता है कि सामाजिक विसंगति और आर्थिक विषमता दूर करने का एकमात्र साधन आरक्षण ही नहीं हो सकता है। यहां यह भी विचारणीय होना चाहिए कि कई पीढ़ियों से आरक्षण लाभ पा चुके लोग, स्वेच्छा से उसका परित्याग करें तो इस दिशा में धनात्मक वातावरण बन सकता है। निश्चित रूप से ऐसे कदमों से मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई की सकारात्मक पहल को संबल मिल सकेगा।

सर क्रीक मामले को नये सिरे से सुलझाने की जरूरत

विजय

बीते दिनों भारत–पाकिस्तान के बीच सरक्रीक सीमा विवाद को लेकर तल्ख बयानबाजी सामने आयी। जबकि करीब दो दशक पूर्व भारत–पाकिस्तान वार्ता में यह मसला समाधान के बहुत करीब पहुंच गया था, हालांकि सुलझा नहीं। यह प्रकरण दर्शाता है कि एक–दूसरे के धुर विरोधी देश भी कुछ जटिल लंबित मुद्दों के परस्पर स्वीकार्य समाधानों पर वार्ता की गुंजाइश रखते हैं। कच्छ के रण स्थित सर क्रीक भूभाग को लेकर भारत–पाकिस्तान सीमा विवाद कुछ दिनों पहले पुनः भड़कता नजर आया। पाकिस्तान अपनी तरफ, पश्चिमी तट पर किलेबंदी कर रहा था, जो उसके अधिक आक्रामक रुख का संकेत कहा जाएगा। भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बीते दिनों एक चेतावनी जारी करते हुए कहा था कि सर क्रीक क्षेत्र में पाकिस्तान का कोई भी दुस्साहस भारत की कड़ी प्रतिक्रिया को न्योता देगा, जो 'इतिहास और भूगोल दोनों बदल सकता है'। यह बात बेशक धमकी भरी लगे, लेकिन यह दोनों पक्षों की ओर से तनाव बढ़ाने वाले निरंतर कथनों के अनुरूप थी।ह विवाद 2005–07 के दौरान भारत–पाकिस्तान समग्र वार्ता में समाधान के बहुत करीब पहुंच गया था, जब दोनों पड़ोसियों के बीच संबंध शायद अपने सबसे आशाजनक और रचनात्मक दौर में थे। उस दौर को यह समझाने के लिए याद किया जा सकता है कि जब हमारे ऊपर काले बादल मंडरा रहे हों, तब भी कूटनीति जारी रखना जरूरी है। बतौर भारत का विदेश सचिव (2004–06), मेरे कार्यकाल के दौरान, भारत–पाकिस्तान वार्ता दो मुद्दों पर केंद्रित थी, जिन पर दोनों पक्ष सहमत थे कि 'आरंभिक समझौता' संभव है। एक था सियाचिन और दूसरा सर क्रीक विवाद। इनमें सर क्रीक विवाद हल करना अपेक्षाकृत आसान माना जा रहा था। सर क्रीक (जिसे पहले बतौर 'बाण गंगा' जाना जाता था) को लेकर विवाद मूलतरू ब्रिटिश राज के तहत आते कच्छ और सिंध नामक प्रांतों के बीच 1908 में पैदा हुआ। वर्ष 1914 में, बॉम्बे संभाग ब्रिटिश औपनिवेशिक सरकार, जिसके अधिकार क्षेत्र में गुजरात और सिंध भी आते थे, उसने एक प्रस्ताव जारी किया, जिसमें क्रीक की सीमा के संरेखण (रिएलाइनमेंट) के बारे में विरोधाभासी प्रावधान थे। पैराग्राफ 9 में, इसने क्रीक के पूर्वी तट संरेखण सिंध के पक्ष में रखा। अगले ही पैराग्राफ में, इसने क्रीक के मध्य चौनल को इस आधार पर बतौर सीमा स्वीकार कर लिया कि साल के अधिकांश समय क्रीक में नौका परिचालन संभव है। जाहिर है पाकिस्तान पैरा 9 को आधार बनाकर अपना हक जताता है। जबकि भारत थालवेग सिद्धांत अपनाने पर जोर देता है, जिसमें मध्य धारा को सीमा रेखा की निशानदेही माना गया है। भारत का पक्ष इस तथ्य से और मजबूत होता है कि 1925 में मध

य धारा के बीच निशानदेही खंबे लगाए गए थे, जिनमें से कई आज भी मौजूद हैं। यह संरेखण इतना महत्वपूर्ण क्यों है? सर क्रीक क्षेत्र का अधिकांश भाग लवण–बहुल दलदली भूमि है, जहां आबादी बहुत कम हैं। भू–सीमा निर्धारण इसलिए अहम है कि सहमति से बने भू–सीमारेखा बिंदु वह आधार रेखा बनाएंगे, जहां से अरब सागर में समुद्री सीमा खींची जाएगी। क्रीक के मुहाने पर केवल कुछ किलोमीटर का परिवर्तन समुद्री सीमा रेखा को भी स्थानांतरित कर देगा, जिससे संभवतः प्रत्येक देश के अधिकार क्षेत्र में पड़ता आर्थिक रूप से बहुत फायदेमंद इलाका (ईईजेड) और महाद्वीपीय शेल्फ की मल्कियत पर असर पड़ेगा। माना जाता है कि ईईजेड में आर्थिक रूप से महत्वपूर्ण तेल एवं गैस भंडार और मछलियों की प्रचुरता वाले इलाके हैं। इस प्रकार, जिस किसी देश को सबसे अधिक समुद्री इलाका मिलेगा, उसका अधिकार संसाधन संपन्न इस अहम इलाके पर बन जाएगा। समग्र वार्ता के 2005–07 चरण के दौरान एक समझौता प्रस्ताव पर चर्चा हुई थी, जिसमें दोनों देशों के नौसैन्य जलविज्ञानी और सर्वेक्षणकर्ताओं के बीच तकनीकी विचार–विमर्श शामिल था। ये जलविज्ञानी वैज्ञानिक मानचित्रण का उपयोग करके, खाड़ी के मुहाने पर अचिन्हित समुद्री क्षेत्र में विवादित भूभाग की निशानदेही सीमित करते–करते अंत में इसे एक त्रिकोणीय क्षेत्र तक ले आए। यह क्षेत्र प्रत्येक देश के प्रस्तावित भूमि संरेखण के अनुसार, समुद्र में एक पारस्परिक रूप से सहमत बिंदु से तटरेखा तक रेखाएं खींचकर बनाया गया था। इस संभावित समझौते में भूमि के बदले समुद्री भाग की अदला–बदली करना शामिल था। यदि भारत पाकिस्तानी संरेखण, जो कि खाड़ी की पूर्वी तट सीमा है, को स्वीकारता है, तो उसे शेष अचिन्हित त्रिकोणीय समुद्री क्षेत्र का एक बड़ा हिस्सा, कथित 60 प्रतिशत, के अलावा मुआवजा दिया जाना था। लेकिन, यदि खाड़ी में भारतीय संरेखण को स्वीकार किया जाता, तब पाकिस्तान को इस इलाके का एक बड़ा हिस्सा (कथित बाकी क्षेत्र का 60 प्रतिशत) के साथ मुआवजा दिया जाना था। इस सिद्धांत को दोनों पक्षों ने स्वीकार कर लिया। हालांकि, समझौते की वास्तविक शर्तें तय करना दोनों देशों के राजनीतिक नेतृत्व पर छोड़ दिया गया। यह एक नूतन तरीका था, जिसका उद्देश्य लेन–देन आधारित समग्र संतुलन स्थापित करना था, जिसका श्रेय भारत और पाकिस्तान के नौसैन्य जलविज्ञानियों को जाता है। उन्होंने नवंबर, 2006 से मार्च, 2007 तक सर क्रीक क्षेत्र के संयुक्त सर्वेक्षण से शुरुआत की। इसके परिणामस्वरूप एक 'साझा मानचित्र' तैयार हुआ, जो समझौते को आगे बढ़ाने में सक्षम सर्वमान्य आधार रेखा बनाने के लिए अहम था। पाकिस्तानी पक्ष सियाचिन और सर क्रीक, दोनों विवादों का एक साथ हल यानी 'पैकेज समाधान' चाहता था। सियाचिन पर समझौता विफल होते ही पाकिस्तान की रुचि सर क्रीक समझौते में समाप्त हो गई।

यह प्रकरण दर्शाता है कि एक–दूसरे के धुर विरोधी बने देश, कुछ कठिन लंबित मुद्दों के परस्पर स्वीकार्य समाधानों पर बातचीत की क्षमता रखते हैं।

प्राकृतिक चिकित्सा दिवस

गोपल

स्वस्थ रहने के लिए जरूरी है कि हम प्रकृति से अपना रिश्ता फिर से मजबूत करें। जैसे एक बच्चा अपनी मां की गोद में सबसे सुरक्षित महसूस करता है, उसी तरह मनुष्य प्रकृति की गोद में सबसे स्वस्थ रहता है। इसलिए जीवन की लय को सही करने के लिए हमें प्रकृति की ओर लौटना होगा। भारत में पिछले आठ वर्षों से प्राकृतिक दिवस मनाया जाता है, जिसका उद्देश्य लोगों को यह समझाना है कि स्वास्थ्य की मूल जड़ें प्रकृति में निहित हैं। प्राकृतिक चिकित्सा का आधार 'पंचमहाभूत सिद्धांत' हैकृमिट्टी, जल, अग्नि (धूप), वायु और आकाश। इन्हीं पांच तत्वों से प्रकृति का निर्माण हुआ है, मानव शरीर का निर्माण हुआ है और हमारे आहार को रखने वाले अधिकांश बर्तन एवं पात्र भी पंचतत्त्वीय संरचना से ही बने होते हैं। इसीलिए प्राकृतिक चिकित्सा मनुष्य और प्रकृति के बीच सामंजस्य स्थापित करने को सबसे महत्वपूर्ण मानती है। दरअसल, प्राकृतिक चिकित्सा एक प्रिवेंटिव यानी निवारक स्वास्थ्य पद्धति है। प्राकृतिक चिकित्सा का उद्देश्य केवल बीमारी का इलाज करना ही नहीं, बल्कि बीमारी को होने से पहले रोकना है। इसमें मुख्य रूप से तीन बातें शामिल हैंकृपहला आहार, जो शुद्ध, सात्विक, शाकाहारी और प्राकृतिक भोजन हो। दूसरा विहार यानी लाइफ स्टाइल यानी दिनचर्या यानी योग, प्राणायाम, सूर्यस्नान, जलचिकित्सा आदि शामिल हैं। तीसरा है आचार यानी मन का संतुलन। सकारात्मक सोच यानी मानसिक शुद्धि। प्राकृतिक चिकित्सा यह सिद्ध करती है कि मनुष्य बिना दवा के भी पूर्णतः स्वस्थ रह सकता है, बशर्ते वह प्रकृति के नियमों का पालन करे। वास्तव में हमारे पर्यावरण का संरक्षण हमारे स्वास्थ्य की पहली शर्त है। मनुष्य का स्वास्थ्य उसके पर्यावरण से गहराई से जुड़ा है। इसलिए हमारा प्रयास रहेगा कि हम अधिक से अधिक पौधारोपण करके अपने वातावरण को शुद्ध बनाएं। साथ ही वायु, जल और मिट्टी का संरक्षण करें। इसके साथ ही जरूरी है कि हम प्राकृतिक संसाधनों का सदुपयोग गंभीरता से करें। वास्तव में शुद्ध वातावरण हमें बीमारियों से बचाता है। आज के समय में अनेक रोगों का कारण और निवारण इसी धरती, हमारे परिवेश में छिपा हुआ है। जितना हम प्रकृति से दूर होंगे, तो रोगों से लड़ने की क्षमता अपने आप कम होती चली जाएगी। वास्तव में हमारे तन और मनकृ की विकृति से उत्पन्न होती हैं बीमारियां। हकीकत है कि बीमारियां केवल शरीर से नहीं, बल्कि मन की असंतुलित अवस्था से भी उत्पन्न होती हैं। दरअसल, आज की भागदौड़ भरी जीवनशैली में तनाव, अवसाद, अनियमित दिनचर्या तथा गलत आहार ने मनुष्य के जैविक संतुलन को बिगाड़ दिया है। सही जीवनशैली अपनाकर इन सभी विकृतियों को दूर किया जा सकता है। हमने देखा कि कोरोना काल में प्राकृतिक चिकित्सा की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण हो गई थी। कोविड–19 महामारी के दौरान प्राकृतिक चिकित्सा की पद्धतियों ने करोड़ों लोगों को राहत दी, जिसमें विशेष रूप से जल चिकित्सा, सूर्यस्नान व योग–प्राणायाम ने रोग–प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में उपयोगी भूमिका निभाई है।

संक्षिप्त खबरें

राजकीय आईटीआई में रोजगार मेला कल, 200 पदों पर होगी भर्ती

लखनऊ, (संवाददाता)। अलीगंज स्थित राजकीय आईटीआई परिसर में बुधवार को रोजगार मेला लगाया जाएगा। इस दौरान ऑटोमोबाइल, मैन्युफैक्चरिंग और इंश्योरेंस क्षेत्र की प्रमुख कंपनियों में करीब 200 पदों पर युवाओं को नौकरी पाने का अवसर मिलेगा। प्लेसमेंट अधिकारी एमए खान ने बताया कि टाटा मोटर्स लिमिटेड लखनऊ, इंडो ऑटो कम्पोनेंट, गुजरात, डीलक्स बीयरिंग, राजकोट, जय भारत मारुति अहमदाबाद, एजीस फेडरल लाइफ इंश्योरेंस लखनऊ, वीजी ऑटो कम्पोनेंट, गुजरात, एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस लखनऊ और जेएनएस इन्स्ट्रुमेंट्स, अहमदाबाद जैसी कंपनियां प्रतिभाग कर रही हैं। चयनितों को 14,863 रुपये से 21,000 रुपये प्रतिमाह मानदेय दिया जाएगा। मेले में प्रतिभाग के लिए शैक्षिक योग्यता हाईस्कूल, इंटरमीडिएट, आईटीआई, डिप्लोमा या स्नातक है। अभ्यर्थियों की आयु 18 से 40 वर्ष के बीच होनी चाहिए। इच्छुक अभ्यर्थी 19 नवंबर को समस्त शैक्षिक व जरूरी प्रमाणपत्रों सहित राजकीय आईटीआई अलीगंज में प्रतिभाग कर सकते हैं।

ध्यान व योग कार्यक्रम 28 को, राष्ट्रपति करेंगी शुभारंभ

लखनऊ, (संवाददाता)। मुज्जमनगर सुल्तानपुर मार्ग स्थित गुलजार उपवन में 28 नवंबर को एक दिवसीय विश्व एकता और विश्वास विषय पर ध्यान और योग कार्यक्रम होगा। इसका शुभारंभ राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू करेंगी। इसे लेकर सोमवार को गोमतीनगर के विपुलखंड में ब्रह्माकुमारीज संस्था की ओर से केंद्र में सुबह 11 बजे प्रेसवार्ता कर यह जानकारी दी गई। उप अंचल प्रभारी राजयोगिनी राधा दीदी ने बताया कि इस राज्यस्तरीय कार्यक्रम की रूपरेखा बनाकर तैयारियां तेज कर दी गई हैं। इसका मुख्य उद्देश्य विश्व एकता और विश्वास को बढ़ा देना है। 28 नवंबर को दोपहर 12 बजे राष्ट्रपति कार्यक्रम का शुभारंभ करेंगी। वह पिछले 24 वर्षों से संस्था से जुड़ी हैं। माउंट आबू से आईं लीना दीदी ने बताया कि इसमें विभिन्न राज्यों के प्रतिनिधि, राजयोग प्रशिक्षक और सामाजिक क्षेत्र के विभिन्न वर्गों से जुड़े लोग भाग लेंगे। भाई नथमल, मंजू दीदी आदि लोग मौजूद रहे।

धरती आबा की सुंदर प्रस्तुति से दर्शक मंत्रमुग्ध

लखनऊ, (संवाददाता)। जनजाति भागीदारी उत्सवद्2025 के तहत सांस्कृतिक सत्र में पांचवें दिन जनजाति के कलाकारों ने बिरसा मुंडा पर आधारित नाटक धरती आबा की सुंदर प्रस्तुति से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस मौके पर जनजाति कलाकारों ने परंपरागत और विविध जनजातीय नृत्य का प्रदर्शन कर दर्शकों को भी थिरकने पर मजबूर कर दिया। सोमवार को सांस्कृतिक संध्या की शुरुआत बूटी बाई (चित्रकूट) व उनके दल की ओर से चांगेलिया नृत्य के साथ किया गया। जिसने मंच पर उत्साह और लोकधुनों का ऐसा संगम रचा कि सभागार तालियों से गूंज उठा। राजकुमारी (बहराइच) ने पारंपरिक हूरदूंगवा नृत्य प्रस्तुत कर तराई क्षेत्र की सांस्कृतिक छटा का जीवंत अनुभव कराया। अबू सालेह (पश्चिम बंगाल) व उनके दल ने रायबेंसे नृत्य की वीरता और तालबद्ध युद्धक शैली से दर्शकों का दिल जीत लिया।

घूमर व राजस्थानी लोक गीतों की बिखरी छटा

लखनऊ, (संवाददाता)। लखनऊ विश्वविद्यालय के 105वें स्थापना दिवस सप्ताह का पहला सांस्कृतिक दिवस सोमवार को उत्साह और ऊर्जा के साथ संपन्न हुआ। दोपहर दो से शाम पांच बजे तक चले सांस्कृतिक सत्र में छात्रों ने बड़ी संख्या में हिस्सा लिया। मुख्य प्रस्तुतियों में सांस्कृतिक नृत्य, संगीत, तबला, गिटार और गायन शामिल रहे। कशिश जायसवाल व समूह की गणेश वंदना, दीपिका राज का घूमर नृत्य विशेष रूप से सराहा गया। अनुष्का तिवारी की ओर से प्रस्तुत राजस्थानी लोक गीत और श्रुति व समूह का छठ गीत कार्यक्रम की प्रमुख आकर्षणों में रहा। वहीं विनायक सिंह की टीम की ओर से 'बेरोजगारी' पर प्रस्तुत सामाजिक सरोकारों से जुड़ी लघु नाटिका को दर्शकों ने पसंद किया। संचालन विनायक व परिणिति ने किया। समारोह का शुभारंभ विशिष्ट अतिथि प्रो. अरूप चक्रवर्ती, अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. वी.के. शर्मा और अधिष्ठाता प्रबंधन संकाय ने किया। इस मौके पर कुलपति प्रो. मनुका खन्ना ने विश्वविद्यालय की गौरवपूर्ण परंपरा, शैक्षणिक उपलब्धियों और सांस्कृतिक समृद्धि पर चर्चा की।

हाईकोर्ट के अधिवक्ता को मिली कानून में डॉक्टरेट की उपाधि

लखनऊ, (संवाददाता)। हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ के अधिवक्ता आलोक सरन को बीबीडी विश्वविद्यालय, लखनऊ से कानून में डॉक्टरेट (पीएचडी इन लॉ) की उपाधि मिली है। सोमवार को विवि परिसर में हुए दीक्षांत समारोह में सीएम योगी आदित्यनाथ ने 18 साल से हाईकोर्ट में प्रैक्टिस कर रहे अधिवक्ता को पीएचडी इन लॉ की उपाधि दी। वह राज्य सरकार के अधिवक्ता भी रह चुके हैं। उनके मित्रों, शुभचिंतकों समेत वकीलों ने बधाई दी है।

महिलाएं खुद को कमजोर न समझें, पुरुषों पर भी बने धारावाहिक

लखनऊ, (संवाददाता)। गोमतीनगर स्थित केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय में सोमवार से समर्थ नारी व समृद्ध भारत विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन की शुरुआत हुई। मुख्य अतिथि लखनऊ विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. मनुका खन्ना ने कहा कि हर धारावाहिक के केंद्र में महिलाएं ही क्यों होती हैं। पुरुषों पर आधारित धारावाहिक भी बनने चाहिए। महिलाएं खुद को कमजोर न समझें और न ही उन्हें कमजोर समझा जाए। सामाजिक बदलाव में पुरुष और महिला दोनों की बराबर की जिम्मेदारी है। सभी को अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन करना चाहिए। संस्कृत विश्वविद्यालय के निदेशक प्रो. सर्व नारायण झा ने कहा कि सुरक्षा व सुरक्षा का भाव दोनों ही देना जरूरी है। यह सम्मान व आत्मीयता का प्रतीक है। सुझाव दिया कि घरों में ऐसी किताबें रखी जाएं जिनसे बच्चों में आदर्श जीवन–मूल्यों का विकास हो। कार्यक्रम की संयोजिका डॉ. कविता बिसारिया ने कहा कि नारी का सशक्त होना ही भारत के उज्ज्वल भविष्य की पहली सीढ़ी है। भोपाल परिसर की डॉ. अर्चना दुबे ने कहा कि नारी स्वतंत्र भी रहे और सुरक्षित भी। यह संतुलन परिवार और समाज की जिम्मेदारी है। नारी की समरसता मूलरूप से भारतीय संस्कृति की मर्यादा बनाए रखने में है। भोपाल से डॉ. संगीता गुंडिचा ने कहा कि महिलाओं को प्रबुद्ध करने और अपने अधिकारों के प्रति

जागरूक होकर नेतृत्व करने में अत्यंत उपाधि सिद्ध होगा। कर्नाटक संस्कृत विश्वविद्यालय के व्याकरण विभाग के डीन प्रो. शिवानी ने कहा कि भारतीय नारी का विचार भारतीय परंपरा की अनमोल धरोहर है। शोभा बाजपेयी ने कहा कि प्राचीन भारत में अरुंधति जैसी स्त्रियां पुरुष ऋषियों के समकक्ष स्थान रखती थीं। डॉ. रानी दधीचि ने कहा कि भारतीय संस्कृति स्त्री को सदैव ज्ञान, धैर्य और परामर्श का स्रोत मानती है। लीना सक्सेना ने कहा कि आज की स्त्री स्वतंत्रता और मंच पर बोलने का अधिकार 150 वर्ष पूर्व की स्त्रियों के कठोर संघर्ष का परिणाम है। उन्होंने भारतीय महिला क्रिकेट टीम के लंबे संघर्ष को भी प्रेरक उदाहरण बताया। अधिवक्ता शिखा सिन्हा ने स्त्री अधिकारों, कानूनी जागरूकता और सुरक्षा कानूनों की अनिवार्यता पर बल दिया।

सड़क हादसे में घायल दो और लोगों ने तोड़ा दम, पिता–पुत्र के बाद मां की मौत से मची चीत्कार

लखनऊ, (संवाददाता)। यूपी के रायबरेली में सोमवार की शाम हुए सड़क हादसे में मंगलवार की सुबह दो और लोगों की मौत हो गई। जबकि, दो लोगों की हालत अभी भी गंभीर बनी हुई है। घटना से घरों में चीख पुकार मच गई। इससे पहले शाम को मौके पर ही पिता–पुत्र की मौत हो गई थी। हादसा डलमऊ कोतवाली क्षेत्र के मुंशीगंज–डलमऊ राजमार्ग पर चौदह मील के पास सोमवार की शाम करीब 6 बजे हुआ। क्षेत्र के ही सरायं दिलावर गांव निवासी आशिक (35) परिवार सहित निमंत्रण में रायबरेली गया था। वहां से पत्नी शाहीन (30), पुत्री अरीबा (10), बेटे अरसम (4) के साथ बाइक से लौट रहा था। क्षेत्र के ही पूरे बांके मजरे खड़गपुर कुर्मियाना निवासी राजकुमार (35) अपने दोस्तके साथ बाइक से रायबरेली से घर लौट रहे थे। चौदह मिल के पास डलमऊ से रायबरेली की ओर जा रहे ट्रक ने पहले आशिक की बाइक में टक्कर मारी। फिर राजकुमार व उसके दोस्त को रौंद दिया। हादसे में आशिक और उसके बेटे अरसम की मौत मौके पर हो गई थी। मंगलवार को आशिक की पत्नी शाहीन और दूसरी बाइक पर सवार राजकुमार की भी मौत हो गई। मौतों से परिवार के लोगों का रो–रोकर बुरा हाल है। वहीं पति–पत्नी और बेटे की मौत से सरायं दिलावर गांव में सन्नाटा पसरा हुआ है। गांव में मातम का छाया है।

तकनीक नौकरी नहीं खाती, नए अवसर देती है - मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

लखनऊ, (संवाददाता)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि टेक्नोलॉजी से नौकरी नहीं जाती हैं, बल्कि इससे नए अवसर पैदा होते हैं। यह हम पर निर्भर करता है कि हम उसे कैसे भुनाते हैं। मुख्यमंत्री सोमवार को बीबीडी विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में विद्यार्थियों को दीक्षांत भाषण दे रहे थे। सीएम योगी ने कहा कि प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री बाबू बनारसी दास के नाम पर इस विश्वविद्यालय का नामकरण हुआ है। वे महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी थे। मुख्यमंत्री ने विश्वविद्यालय के रचनाकार पूर्व केंद्रीय मंत्री स्वर्गीय अखिलेश दास गुप्ता को भी नमन किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने बीबीडी विश्वविद्यालय में पढ़ाई के साथ ही खेल सुविधाओं की तारीफ की। इस मौके पर डिग्री प्राप्त कर रहे विद्यार्थियों से मुख्यमंत्री ने कहा कि जीवन में सदा नया सीखने का अवसर प्राप्त होता है। अलग–अलग सेक्टरों में हमें नए अवसरों को ढूंढने

का प्रयास करना चाहिए। जीवन में धैर्य, संतुलन खोए बिना अडिग होकर आगे बढ़ेंगे तो सफलता कदम चूमेगी। उन्होंने कहा कि हम जो करते थे, दुनिया उसका अनुसरण करती थी। जब हमने दुनिया का अनुसरण शुरू किया तो हमारी ताकत भी कम होती गई। उन्होंने कहा कि 1990 के प्रारंभ में कंप्यूटर का चलन प्रारंभ हुआ तो कई संस्थानों ने कहा कि रोजगार पर प्रहार होगा लेकिन इससे रोजगार के अवसर बढ़े। संस्थानों को नई तकनीक पर आधारित शॉर्ट टर्म, सर्टिफिकेट कोर्स, डिप्लोमा कोर्स, ड्रोन–रोबोटिक, आईओटी, एआई के कोर्स कराने चाहिए। विशिष्ट अतिथि कैबिनेट मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश में आठ लाख लोगों को सरकारी नौकरी दी लेकिन कहीं भी किसी प्रकार जाति, समुदाय आदि देखकर नहीं बल्कि योग्यता की वरीयता के आधार पर नौकरी दी गई।

संक्षिप्त खबरें

4 महीने से लटकीं मत्स्य पालकों की 88 फाइलें

भदोही, (संवाददाता)। जिले में मत्स्य विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों की उदासीनता से मत्स्य पालकों को योजनाओं का लाभ समय से नहीं मिल रहा है। जिले की तीनों तहसीलों में चार महीने से मत्स्य पालकों की 88 फाइलें लटकी हुईं हैं। वहीं तालाब आवंटन प्रक्रिया और नीलामी पूरी हो चुकी है। जिले की 546 ग्राम पंचायतों में करीब 1100 मत्स्य तालाब हैं। इतने ही मत्स्य पालक हैं। वे तालाब में मछलियों का पालन कर इसी से अपनी आजीविका चलाते हैं। इससे मछली पालन करने वालों को अच्छा खास मुनाफा भी होता है। तालाब आवंटन के लिए अगस्त में नीलामी की प्रक्रिया पूरी कराई गई थी। एक तालाब में मत्स्य पालक करीब 40 से 50 हजार मछियों के बच्चे पाल सकते हैं। बड़ी होने पर बाजार में इसकी बिक्री कर अच्छा मुनाफा कमा सकते हैं। एक बाजार में मछली की विभिन्न किस्मों की मछलियों के दाम 120 से 150 रुपये प्रति किलो है। यदि एक हेक्टेयर रकबे का तालाब है तो इसके आवंटन पर करीब 10 हजार रुपये तक खर्च आने का अनुमान है। इसमें लगान, स्टांप शुल्क सहित अन्य कागजात शामिल हैं। जिले की तीनों तहसीलों में से ज्ञानपुर में 35, औराई में 24 और भदोही तहसील में 25 फाइलें अभी रुकी है। मत्स्य निरीक्षक अमित सिंह ने बताया कि जिले में हाल फिलहाल में ही उनकी तैनाती हुई है। फाइल कहां पर रुकी है। इसे लेकर अधिकारी से बातचीत की जा रही है। उसे जल्द ही पास कराया जाएगा।

धार्मिक एवं पौराणिक स्थलों का होगा विकास

भदोही, (संवाददाता)।सांसद डॉ. विनोद बिंद की अध्यक्षता में सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिला पर्यटन एवं संस्कृति परिषद की बैठक हुई। इसमें धार्मिक एवं पौराणिक स्थलों के विकास पर चर्चा की गई। पूर्व में निर्माणाधीन कार्यों को समय से पूर्ण कराने का निर्देश कार्यदायी संस्था को दिया गया। सांसद ने कहा कि जिले की सांस्कृतिक और साहित्यिक विरासत को आगे बढ़ाने के लिए जल्द ही भदोही महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। जिसमें कृषि प्रदर्शनी, साहित्यिक मंच, प्रतिभा मंच, सांस्कृतिक मंच, स्वदेशी उत्पादों का स्टॉल, स्थानीय कलाकारों सहित लोक कला व लोक संस्कृति को बढ़ावा देने वाले प्रदेशिक व राष्ट्रीय कलाकार अपनी कला की प्रस्तुति व मंचन करेंगे। औराई विधायक दीनानाथ भाष्कर ने उगापुर स्थित रामजानकी मंदिर, गोहिलांव स्थित हनुमान मंदिर, विधायक ज्ञानपुर प्रतिनिधि ने बयांव पिलखुना, कलिंजरा गोपालपुर पर पर्यटन विकास पर जोर दिया। शहीद झूरी सिंह स्मारक के पर्यटन विकास के लिए प्रस्ताव रखा गया। सेमराध तट पर लगने वाले कल्पवास माघ मेला को व्यापक रूप देने की कार्ययोजना बनाने की बात कही गई। पर्यटन विभाग की तरफ से राज्य योजना वर्ष–2022–23 में सीतामढ़ी के सुंदरीकरण के कार्यों की प्रगति बताई गई।

पूर्व विधायक के भतीजे की 54.68 लाख की दो कार कुर्क

भदोही, (संवाददाता)। आगरा जेल में निरुद्ध ज्ञानपुर के पूर्व विधायक विजय मिश्रा के परिजनों पर प्रशासन का शिकंजा कसता जा रहा है। गैंगस्टर एक्ट के तहत पूर्व विधायक के भतीजे सतीश मिश्र की 54 लाख 68 हजार रुपये की दो लग्जरी कारें सोमवार को पुलिस ने कुर्क कर दी। जिला मजिस्ट्रेट शैलेष कुमार की अदालत ने गैंगस्टर एक्ट में गत दिनों कुर्की का आदेश दिया था। सामूहिक दुष्कर्म सहित सात दर्जन से अधिक मुकदमें में जेल में निरुद्ध सपा और निषाद पार्टी के पूर्व विधायक विजय मिश्रा और उनके कुनबे पर शासन की नजर टेढी बनी हुई है। करीब चार साल में 200 करोड़ से अधिक की चल–अचल संपति कुर्क की जा चुकी है। रिश्तेदार की संपत्ति हड़पने के मामले में अगस्त 2020 में मध्य प्रदेश के आगर से गिरफ्तार पूर्व विधायक पर कुछ महीनों में ताबड़तोड़ दो दर्जन से अधिक एफआईआर दर्ज की गईं। इनमें धमकी, सामूहिक दुष्कर्म, गैंगेस्टर सहित अन्य मामले शामिल हैं। पूर्व विधायक के बेटे विष्णु मिश्र, भतीजे मनीष मिश्र, पत्नी रामलली मिश्र, दूसरे भतीजे सतीश मिश्र सहित कुनबे के दर्जनभर से अधिक सदस्यों पर भी कार्रवाइयां की गईं। गत शनिवार को जिला मजिस्ट्रेट की अदालत ने गैंगेस्टर एक्ट में सतीश मिश्रा की दो लग्जरी कार को कुर्क करने का आदेश दिया।

पांच ट्रेडों की 630 सीटें रह गई खाली

भदोही, (संवाददाता)। औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान में तकनीकी और व्यवसायिक शिक्षा के प्रति छात्र–छात्राओं का रुझान कम हो रहा है। यही वजह से की कुल 25 आईटीआई में आठ ट्रेडों की 630 सीटें खाली रह गईं। छात्र–छात्राओं को वेल्डर, पेंटर, सीन टेक्नोलाजी समेत पांच ट्रेडों में रुझान कम हो रहा है। इलेक्ट्रिशियन और मैकेनिकल ट्रेडों पर ज्यादातर सीटें फुल हुई हैं। जिले में तीन राजकीय और 22 निजी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान संचालित हैं। इनमें 5330 सीटें हैं। प्रवेश प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद भी 4700 छात्र–छात्राओं ने प्रवेश लिया। राजकीय में करीब आठ से 10 ट्रेड, जबकि निजी में सिर्फ इलेक्ट्रिशियन, फीटर का ट्रेड चलता है। जुलाई से चल रहा प्रवेश एक माह पूर्व ही खत्म हो गया लेकिन तकनीकी शिक्षा के इन केंद्रों की सीटें पूरी नहीं हो सकीं। 10 से 15 फीसदीं सीटें खाली रह गईं।

चार साल की मासूम को कराया था अगवा, एक महीने बाद भी पुलिस की पकड़ से दूर

आगरा, (संवाददाता)। आगरा के थाना ताजगंज क्षेत्र के पुरानी मंडी से 1 महीने पहले चार साल की बच्ची को एक युवक अगवा कर ले गया था। सीसीटीवी फुटेज की मदद से पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर बच्ची को सकुशल बरामद किया था। आरोपी से पूछताछ में बच्चों की चोरी करने वाले गिरोह का खुलासा हुआ था। दिल्ली की एक महिला का नाम सामने आया था। उसकी धरपकड़ के लिए टीम लगी। मगर अब तक उसकी गिरफ्तारी नहीं हो सकी है। इस वजह से गिरोह के बारे में ज्यादा जानकारी पुलिस के हाथ नहीं लग सकी है। डीसीपी सिटी का कहना है कि टीम को एक बार फिर दिल्ली भेजा जाएगा। ताजगंज क्षेत्र के रेस्तरां कर्मचारी की चार साल की बेटी को 15 अक्तूबर को अगवा किया गया था। वह अपने बाबा के साथ शाहजहां गार्डन आई थी। वह अचानक बाबा से अलग हो गई थी। इसके बाद पुरानी मंडी आ गई थी। तभी उसे एक युवक अपने साथ हाथ पकड़कर ले गया था। उसे ट्रेन से दिल्ली लेकर पहुंचा था। पुलिस को सीसीटीवी कैमरों से सुराग मिला था। बच्ची को महाराष्ट्र का रहने वाला शोएब सुलेमान शेख अगवा कर ले गया था। पुलिस ने उसे दिल्ली से गिरफ्तार कर बच्ची को बरामद किया

था। खुलासा किया था कि उसने इंस्टाग्राम पर बनी दोस्त अंजू की हसरत को पूरा करने के लिए ऐसा किया। अंजू ने उसे बताया था कि एक दंपती को बच्चा गोद लेना है। वह उसके लिए बच्चे का इंतजाम कर ले। इसके बदले में उसे डेढ़ से दो लाख रुपये मिलने का लालच दिया था। वह तैयार हो गया था। वह ताजमहल देखने आया था। इसी बीच बच्ची घूमते हुए मिली थी। वह बच्ची को उठाकर ले गया था। मगर सीसीटीवी फुटेज से पुलिस आरोपी को पकड़ने में कामयाब हो गई। पुलिस को अंजू नहीं मिली थी। इस घटना को एक महीने से अधिक बीत गए हैं। पुलिस ने आरोपी सुलेमान को जेल भेज दिया था। अंजू की तलाश के लिए टीम लगी थी। मगर वो अब तक हाथ नहीं आ सकी है।

दूल्हे के चचेरे भाई की हत्या, आरोपियों की गिरफ्तारी में लापरवाही परिजनों में आक्रोश

आगरा, (संवाददाता)। अलीगढ़ के अतरौली में बरातियों पर हमले की वारदात में एक ही आरोपी के पकड़े जाने से पीड़ित परिवार में आक्रोश है। मृतक विनय के पिता का कहना है कि पुलिस ने पहले तो प्राथमिकी में हत्या की धारा नहीं लगाई। गैर इरादतन हत्या में प्राथमिकी लिखी गई। अब आरोपियों को गिरफ्तार करने में भी लापरवाही की जा रही है। हमला साजिश करके बोला गया था। इसके बावजूद पुलिस सुनवाई नहीं कर रही है। मंगलवार को एसएसपी अलीगढ़ से मिलकर कार्रवाई की मांग करेंगे। सीता नगर, एत्माद्दौला निवासी गिरवर सिंह 14 नवंबर को चचेरे भाई ओमवीर सिंह के पुत्र राहुल की बरात में अलीगढ़ के अतरौली गए थे। लक्ष्मी फार्म हाउस में शादी समारोह चल रहा था। रात 11 बजे बराती वापस आ रहे थे। आरोप है कि तभी लड़की पक्ष के लोगों ने हमला बोला था। लाठी–डंडों से पिटाई की थी। बेटे विनय उर्फ छोटू को पीटा था। वह बचाने गए तो उनकी भी पिटाई की गई थी। विनय को अस्पताल ले गए थे, जहां उसे मृत घोषित कर दिया था। हमले में उनके परिवार के 10 से 15 लोग घायल हुए थे। उनका उपचार चल रहा है। मामले में उन्होंने

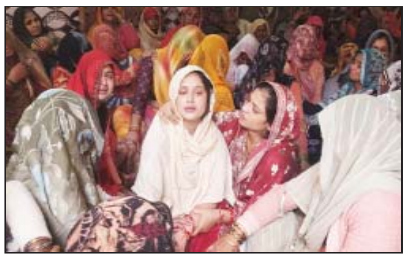

शिकायत की। पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज की थी। इसमें जोगेंद्र, ज्ञानप्रकाश, पुष्पेंद्र, जयंत, गुल्लू उर्फ प्रवीन, अतुल, मनोज, नरेश, विवेक और आकाश को नामजद किया। सभी आरोपी अतरौली के गांव जगतपुर के रहने वाले हैं। गिरवर सिंह का कहना है कि आरोपियों की गिरफ्तारी में लापरवाही बरती जा रही है। पुलिस ने अपनी मर्जी से केस दर्ज किया। इसमें चेन लूट की धारा नहीं लगाई। गैर इरादतन हत्या में प्राथमिकी लिखी गई जबकि आरोपियों ने पहले से साजिश कर रखी थी। वे लोग चचेरे भाई के बेटे के प्रेम करने से नाराज थे। इसलिए इकट्ठा होकर हमला किया। इसके बावजूद पुलिस ने लापरवाही की। अब तक एक ही आरोपी को पकड़ा गया है।

पांच साल के मासूम की गड्ढे में गिरकर मौत घर के बाहर दोस्तों के साथ खेल रहा था

आगरा, (संवाददाता)। आगरा के थाना अछनेरा क्षेत्र के गांव फतेहपुरा में सोमवार को खेलने के दौरान पांच वर्षीय मन्नू गांव के बाहर बने 10 फीट गहरे गड्ढे में गिर गया। हादसे में उसकी जान चली गई। गड्ढा जलनिकासी की व्यवस्था नहीं होने के कारण खेत में पानी भरने से रोकने के लिए खोदा गया था। पिता ने गांव के ही एक व्यक्ति के खिलाफ थाने में तहरीर दी है। पुलिस जांच में जुटी है। गांव फतेहपुरा निवासी देशराज का बेटा मन्नू सोमवार की सुबह घर के पास ही बच्चों के साथ खेल रहा था। खेलते–खेलते वह गांव के बाहर रास्ते के किनारे खेत में बने करीब 10 फीट गहरे गड्ढे में गिर गया। बच्चे के गिरते ही अफरा–तफरी मच गई। परिजन और ग्रामीण दौड़कर मौके पर पहुंचे और मासूम को बाहर निकाला। गंभीर हालत में परिजन बच्चे को सीएचसी अछनेरा लेकर पहुंचे। वहां चिकित्सकों ने नाजुक हालत देखते हुए उसे एसएन मेडिकल कॉलेज, आगरा रेफर कर दिया। मेडिकल कॉलेज पहुंचने पर डॉक्टरों ने जांच के बाद बच्चे को मृत घोषित कर दिया। मौत की खबर मिलते ही परिवार में मातम छा गया। परिवार के लोग रोने लगे। मां–बाप की रो–रोकर हालत खराब है। बच्चे के पिता देशराज ने इस घटना के संबंध में गांव के ही एक व्यक्ति के खिलाफ थाना अछनेरा में तहरीर दी है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। मामले में थाना प्रभारी ने बताया कि हादसे की सूचना पर पुलिस मौके पर जांच के लिए गई थी। गड्ढा पीड़ित परिवार के घर से करीब 400 मीटर दूर रास्ते के किनारे खेत में है। ग्रामीणों ने बताया कि जलनिकासी की व्यवस्था नहीं है। पानी रास्ते और खेत में भर जाता था। जलभराव रोकने के लिए गड्ढा खोद दिया गया था। जिसमें पानी जमा हो जाए। कुछ समय पूर्व ही गांव खेड़ा बाकंदा में खेलते समय एक मासूम बच्चा रेहांश की कुएं में गिरने से मौत हो गई थी। लगभग 34 घंटे के बाद उसे बाहर निकाला जा सका था। उस हादसे से सबक लेने के बावजूद इसके स्थानीय प्रशासन ने किसी भी गांव के खुले पड़े गड्ढों और कुओं को बंद नहीं कराया। जिसके कारण सोमवार को एक और मासूम की जान चली गई। अछनेरा के गांव रायभा की माहौर बस्ती के पास सैकड़ो वर्ष पुराना कुंआ खुला पड़ा है। विगत दिनों बस्ती के एक किसान की बकरी कुएं में गिर गई थी। लगभग दो घंटे बाद ग्रामीणों ने बकरी को बाहर निकाला था।

संक्षिप्त खबरें

जहरीले कीड़े के काटने से किशोरी की मौत

बांदा, (संवाददाता)। कर्वी कोतवाली क्षेत्र के सोनेपुर स्थित कुली तलैया निवासी एक किशोरी की मौत हो गई। परिजनों का आरोप है की डाक्टरों ने उनकी पुत्री को बिना देखे ही मृत घोषित कर दिया। परिजनों ने काफी देर तक बवाल किया। कोतवाली पुलिस ने अस्पताल पहुंच शव को कब्जे मे लेकर पोस्टमार्टम कराया है। मृतका के पिता ने बताया कि पुत्री की मौत किसी बिषैले कीड़े के काटने से हुई है। कुली तलैया निवासी मिजाजीलाल ने बताया कि पुत्री लक्ष्मी देवी (14) रविवार की शाम खेते से घर आई। तभी उसे बिषैले कीड़े ने काट लिया। जब परिजन घर पहुंचे तो वह अचेत अवस्था मे पड़ी हुई मिली। उसे जिला अस्पताल ले गये। जंहा डाक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। मृतका के पिता ने आरोप लगाया कि जब वह अपनी पुत्री को अस्पताल लाया तो डाक्टरों ने उसकी पुत्री को देखा तक नही और मृत घोषित कर दिया। इस बात से परिजन आक्रोशित हो गये और काफी देर तक अस्पताल मे हंगामा किया। जानकारी मिलने पर कोतवाली पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। जंहा शव को कब्जे मे लेकर पोस्टमार्टम के लिए मर्चरी भेजा। परिजनों ने बताया कि लक्ष्मी कक्षा चार की छात्रा थी। चार बहन, एक भाई मे तीसरे नंबर की थी।

बस में बदला बैग, पुलिस ने तलाश कर किया सुपुर्द

बांदा, (संवाददाता)। एसपी अरण कुमार सिंह के निर्देशन में प्रभारी निरीक्षक रैपुरा आशुतोष तिवारी ने टीम के साथ एक व्यक्ति का बैंग बस में गलती से बदल जाने पर ले जाने वाले व्यक्ति को खोजकर दोनों के बैंगों को दिलाया गया।' बताया गया कि राजापुर के ग्राम हरदौली के अखिलेश कुमार पुत्र रामपाल रैपुरा बस स्टैण्ड से बरगढ़ जाने के लिए प्रातः 11 बजे रोड़वेज बस से अपने गन्तव्य के लिए सवार हुए। जैसे ही रामनगर पहुँचे तो देखा कि उनका बैग बस की रैक में नही था। उन्होने तत्काल बस रुकवाकर बस में सवार यात्रियों से बैग के बारे में पूछताछ की, परन्तु बैग का कोई भी पता नहीं लग सका। परिचालक से पूछने पर बताया गया की एक सवारी देऊधा मैंकी मोड़ पर उतरी है। सम्भावना है कि उसी व्यक्ति के द्वारा बैग बदल लिया गया है। बस से उतरी हुई सवारियों का बैग बस में ही रह गया था। जिसे वह अपने साथ लेकर उस व्यक्ति को खोज में निकले। बहुत प्रयास करने पर उस व्यक्ति का कोई पता नहीं चल सका।

रंग संयोजन एवं कला का विद्यार्थियो ने किया प्रदर्शन

बांदा, (संवाददाता)। गोस्वामी तुलसीदास राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में सोमवार को मिशन शक्ति 5.0 के अंतर्गत रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में विभिन्न संकायों के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए अपनी सृजनात्मकता, रंग संयोजन और कलात्मक दक्षता का उत्. ष्ट प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय के प्राचार्य ने किया। कहा कि रंगोली जैसे पारम्परिक कला रूप न केवल भारतीय सांस्तिक विरासत को जीवंत रखते हैं, बल्कि युवा पीढ़ी में सृजनशीलता और टीम भावना भी विकसित करते हैं।

लक्ष्य प्राप्ति के लिए समर्पण, लगन, अभ्यास जरूरी : एसडीएम

बांदा, (संवाददाता)। राजकीय बालिका इंटर कॉलेज राजापुर में सोमवार को आयोजित करियर मेले का शुभारंभ उप जिलाधिकारी फूलचंद यादव, प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ. दिनेश सिंह तथा प्रधानाचार्य पार्वती देवी द्वारा मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। जिसके उपरांत छात्राओं ने सरस्वती वंदना व स्वागत गीत प्रस्तुत कर कार्यक्रम को गरिमामय बना दिया। मेले में छात्राओं को शिक्षा, स्वास्थ्य, तकनीक, बैंकिंग, पुलिस सेवा, सेना, उद्यमिता, आईटी, डिजिटल मार्केटिंग, नर्सिंग, पैरामेडिकल, इंजीनियरिंग एवं सिविल सेवा सहित अनेक करियर विकल्पों की जानकारी विभिन्न स्टॉलों के माध्यम से प्रदान की गई। उप जिलाधिकारी फूलचंद यादव ने प्रेरक संबोधन में कहा कि बेटियों के लिए करियर के असीम अवसर उपलब्ध हैं और लक्ष्य प्राप्ति के लिए समर्पण, लगन, निरंतर अभ्यास व आत्मविश्वास आवश्यक है। प्रभारी चिकित्सा अधि ाकारी डॉ. दिनेश सिंह ने चिकित्सा क्षेत्र में उपलब्ध कोर्सों और रोजगार संभावनाओं पर विस्तृत जानकारी दी, जबकि करियर काउंसलिंग सत्र में विशेषज्ञों ने विषय चयन, परीक्षा तैयारी, समय प्रबंधन व डिजिटल संसाधनों के उपयोग पर मार्गदर्शन किया। छात्राएं पलक शुक्ला व दिव्यांशी शुक्ला ने पंख पोर्टल के माध्यम से उपलब्ध ऑनलाइन करियर संसाधनों से छात्राओं को अवगत कराया। मुख्य अतिथियों ने छात्राओं द्वारा तैयार किए गए मॉडल व प्रोजेक्ट का अवलोकन कर उनकी जिज्ञासाओं का समाधान किया। इसी क्रम में मिशन शक्ति 5.0 के अंतर्गत महिलाओं का स्वच्छता में योगदान" विषय पर आयोजित पोस्टर प्रतियोगिता में उत्.ष्ट प्रदर्शन करने वाली छात्राओं को उप जिलाधिकारी ने प्रमाण पत्र वितरित किए।

हमारी सरकार में वन डिस्ट्रिक्ट वन मेडिकल कॉलेज - ब्रजेश पाठक

सुल्तानपुर, (संवाददाता)। सरदार बल्लभ भाई पटेल की 150 जन्म जयंती के उपलक्ष्य में भाजपा द्वारा आयोजित रन फॉर यूनिटी के अंतर्गत आयोजित एकता यात्रा में प्रदेश के उपमुख्यमंत्री शामिल हुए।एकता यात्रा के बाद उन्होंने अलीगंज कस्बे में आयोजित विशाल जनसभा को संबोधित किया। सोमवार को सड़क मार्ग से इसौली विधानसभा के अलीगंज बाजार पहुंचे प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक कोटिया मोड़ से एकता यात्रा में सम्मिलित हुए।एकता यात्रा सीधे जनसभा स्थल पहुंची।जहां उपमुख्यमंत्री ने सरदार बल्लभ भाई पटेल, श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर जनसभा में शामिल हुए।मंच पर पहुंचने पर भाजपा जिलाध्यक्ष सुशील त्रिपाठी ने स्वागत भाषण दिया।उसके बाद सीधे उपमुख्यमंत्री जनता से मुखातिब होते हुए बोले कि पार्टी ने सरदार बल्लभ भाई पटेल के जीवन चरित्र व कृतित्व को जन जन तक पहुंचाने के लिए उनके 150 वीं जन्म जयंती पर पूरे प्रदेश में एकता यात्रा का आयोजन किया गया है।उन्होंने कहा कि देश में गुलामी के दौरान गांधी जी के नेतृत्व में देश के वीर सपूतों ने कांग्रेस पार्टी के साथ आजादी की लड़ाई में शामिल हुए थे।आजादी के बाद गांधी जी ने कहा कि अब कांग्रेश पार्टी का कार्य खत्म हुआ लेकिन जो आज की कांग्रेस पार्टी है उसको सत्ता का लालच था।देश के विभाजन के दौरान जब कई रियासतें अलग देश की मांग करने लगी तो सरदार पटेल ने सख्त होते हुए कहा था कि जो भी रियासत अपने देश में शामिल नहीं होंगी उनका कोई महत्व नहीं होगा।पंडित श्यामा प्रसाद मुखर्जी लगातार कश्मीर में धारा 370 का विरोध ा करते रहे।आजादी के बाद कश्मीर में

जाने के लिए परमिट लगाई गई थी जिसको तोड़ते हुए श्यामा प्रसाद मुखर्जी बिना परमिट के कश्मीर चले गए।उनके विरोध के बाद यह व्यवस्था खत्म हुई।जनसंघ की स्थापना से लेकर बीजेपी गठन तक भाजपा का पार्टी का जो संकल्प पत्र था कि धारा 370 हटाएंगे,35 ए समाप्त करेंगे,अयोध्या में राम मंदिर बनाएंगे।उन सभी संकल्पों को 2014 में मोदी सरकार आने के बाद पूर्ण किया गया।धारा 370 हटाने के पहले विपक्षी पार्टियां कहती थी अगर धारा 370 हटाई गई तो देश में खून की नदिया बहेंगी लेकिन धारा 370 हटी,35 ए खत्म हुआ, राम मंदिर बना कही भी एक मच्छर के बराबर भी खून नहीं गिरा।कांग्रेस पार्टी पर हमलावर होते हुए उन्होंने कहा कि यह पार्टी हर मुद्दे पर देश के खिलाफ ही खड़ी रही।पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी बाजपेई के इंडोनेशिया दौरे की याद साझा करते हुए उन्होंने कहा कि जब पूर्व प्रधान मंत्री इंडोनेशिया के दौरे पर गए थे तो उन्होंने देखा कि मुस्लिम देश में रामलीला का भव्य आयोजन हो रहा है तो उन्होंने उस देश के राष्ट्र अध्यक्ष से जानकारी ली तो उन्होंने बताया कि हमने उपासना पद्धति बदली है हम अपने पूर्वजों को कैसे भूल सकते है।मोदी सरकार ने जनधन खाते खुलवाए,हर घर उज्ज्वला कनेक्शन दिया।हर घर को स्वच्छ जल देने के लिए हर घर नल योजना गतिमान है।पूर्व की सरकारों में 01 रुपया दिल्ली से चलता था तो 15 पैसे लाभार्थी तक पहुंचता था लेकिन मोदी सरकार में सीधे 01 रुपया लाभार्थी तक पहुंचता है।उन्होंने कायाकल्प,नकल विहीन परीक्षा,ग्राम सचिवालय,प्रधानमंत्री आवास योजना सहित अन्य सरकार की उपलब्धता गिनाई। सपा पर हमलावर होते हुए उपमुख्यमंत्री ने कहा कि पहले वन डिस्ट्रिक्ट वन माफिया होते थे अब वन डिस्ट्रिक्ट वन मेडिकल कालेज है पूरे प्रदेश में 81 मेडिकल कॉलेज है ।

एंबुलेंस को रास्ता न देना अमानवीय व्यवहार – ज्ञानेन्द्र विक्रम सिंह रवि

सुल्तानपुर, (संवाददाता)। यातायात माह में एम्बुलेंस को रास्ता दें अभियान के तहत कटका क्लब सामाजिक संस्था ने राणा प्रताप पी. जी. कॉलेज और राधा रानी इंटर कॉलेज में जागरूकता अभियान चलाया। मुख्य वक्ता असिस्टेंट प्रोफेसर ज्ञानेंद्र विक्रम सिंह रवि ने कहा कि एंबुलेंस का उपयोग आपात स्थिति में ही होता है। एंबुलेंस को रास्ता न देना अमानवीय व्यवहार है। एंबुलेंस को रोकने पर आपका चालान कट सकता है। इतना ही नहीं ऐसा करने पर आपको जेल भी हो सकती है । विशिष्ट वक्ता कथा वाचक शनि मिश्र ने बताया कि आपने एंबुलेंस के सायरन की आवाज सुनी होगी यह इसलिए बजाया जाता है ताकि आगे वाली गाड़ियां एंबुलेंस को जाने का रास्ता दे सकें । फिर भी लोग एंबुलेंस को रास्ता देने में लापरवाही बरतते हैं। वंदे भारत पदयात्री आशुतोष पांडेय ने बताया कि यातायात नियमों का सदैव पालन करना चाहिए। बिना ड्राइविंग लाइसेंस के गाड़ी चलाने पर अब 5 हजार रुपये का चालान भरना पड़ेगा जो पहले केवल 500 रुपये था। अध्यक्षता राणा प्रताप पीजी कालेज के प्राचार्य प्रोफेसर दिनेश कुमार त्रिपाठी स्वागत राधा रानी इंटर कालेज की प्रधानाचार्य विंदू श्रीवास्तव व आभार ज्ञापन कटका क्लब अध्यक्ष सौरभ मिश्र विनम्र ने किया। इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रमाधिकारी , डॉ. प्रभात श्रीवास्तव , डॉ.विभा सिंह वीरेंद्र कुमार गुप्ता , दिलीप कुमार सिंह,विनय सिंह , सत्यम चौरसिया, विशाल विश्वकर्मा,समेत अनेक शिक्षक व विद्यार्थी उपस्थित रहे।

खेती के लिए लाभकारी है नैनो उर्वरक का उपयोग : राजकुमार

बांदा, (संवाददाता)। 72वें अखिल भारतीय सहकारी सप्ताह (14–20 नवम्बर) के अंतर्गत जनपद में .षि विभाग के फील्ड कर्मचारियों एवं अधिकारियों के लिए इफको द्वारा नैनो उर्वरक उपयोग पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में नैनो उर्वरकों की उपयोग विधि, सावधानियाँ, लाभ तथा तकनीकी पहलुओं पर विस्तृत जानकारी दी गई, ताकि कर्मचारी अपने क्षेत्रों में किसानों को जागरूक कर सकें। प्रशिक्षण कार्यक्रम में इफको के उप क्षेत्र प्रबंधक राजवीर सिंह ने बताया कि नैनो उर्वरक ही ऐसे विकल्प हैं जो रासायनिक उर्वरकों का स्थान ले सकते हैं ।

वृद्धाश्रम में भोजन वितरण व पीके अवधी टीम का सम्मान किया

सुल्तानपुर, (संवाददाता)। जरूरतमंदों की मदद करने वाली संस्था ध न श्री गुरुनानकदेव लंगर सेवा ट्रस्ट ने रविवार को अपना दूसरा स्थापना दिवस मनाया. इस अवसर पर वृद्धाश्रम में भर्ती बुजुर्गों भोजन वितरण व और सामाजिक सरोकार का रील बना लोगों को संस्कार के प्रति सचेत करने वाली पीके अवधी टीम सहित कई समाजसेवियों को सम्मानित किया गया। रेलवे स्टेशन व अस्पताल में भर्ती मरीज तीमारदारों को निरंतर भोजन, रक्तदान करने, बीमार की सेवा, असहाय लोगों को व्हीलचेयर देने गरीब बच्चों को मुफ्त शिक्षा में सहायता करने निर्धन परिवारों को मदद करने तथा तीर्थयात्रा कराने जैसे कई सामाजिक कार्य करने वाली लंगर ट्रस्ट ने तुराबखानी स्थित आश्रम में समाजसेवी डीपी गुप्ता, मलिन बस्ती के बच्चों के लिए मुफ्त पाठशाला चलाने वाली सीडब्लूसी की मजिस्ट्रेट सरिता यादव रणजीत सिंह सलूजा बैंक अफसर हरविंदर सिंह के प्रतापगढ़ के समाजसेवी सरदार मंजीत सिंह व फूड ब्लॉगर शिवा व कपूर सहित । पीके अवधी टीम के सदस्यों को सम्मानित किया. सभी वृद्धजनों को भोजन कराया गया. इस अवसर पर गुरदीप सिंह हरप्रीत कौर सरदार गगनदीप सिंह शिक्षक महेश दत्त प्रभाकर दत्त सतपाल सिंह सतनाम सिंह श्रवण कुमार आदि मौजूद रहे। सोमवार को कामतागंज स्थित भट्ठे पर मजदूरों को वस्त्र व खाना की थाली भी बांटी गई।

नवजात के सही पालन-पोषण में सजगता भरी हो देखभाल

पैरेंट्स के लिए बच्चे के दुनिया में आने के बाद करीब एक माह का समय सजग रहने का होता है। जरा सी चूक से आगे कई परेशानियां आ सकती हैं। नवजात बच्चों की मेडिकल केयर के साथ ही अपनों की स्नेह भरी सम्भाल, स्वच्छता, ब्रेस्ट फीडिंग और वैक्सीनेशन जैसी बातों को लेकर जागरुकता होनी आवश्यक है। मौसमी बीमारियों और इन्फेक्शन से बचाव को लेकर सतर्कता जरूरी है।

बच्चे के जन्म के बाद कुछ दिनों तक न केवल न्यू–बॉर्न बेबी की विशेष देखभाल की जरूरत होती है बल्कि बहुत सी छोटी–छोटी बातों को लेकर सजगता भी आवश्यक है। हमारे यहां नवजात यानि न्यू–बॉर्न बेबी की देखभाल और सुरक्षा के मामले में आज भी अवेयरनेस की कमी है। असल में नवजात बच्चों की मेडिकल केयर के साथ ही अपनों की स्नेह भरी सम्भाल, स्वच्छता, स्तनपान और वैक्सीनेशन जैसी बातों को लेकर जागरुकता होनी आवश्यक है। इसके लिए 'न्यू बॉर्न केयर वीक' हर साल 15 से 21 नवंबर तक मनाया जाता है। इस विशेष दिन को मनाने का उद्देश्य नवजात शिशुओं के स्वास्थ्य और सही संभाल–देखभाल के बारे में जागरूकता बढ़ाना है।

सजगता का समय

आम बोलचाल की भाषा में कुछ घंटों, दिनों या एक महीने तक के न्यू–बॉर्न बेबी को नवजात शिशु कहते हैं। वैसे जन्म से लेकर एक साल की उम्र नवजात अवस्था के तौर पर बच्चे की देखभाल के लिए अहम होती है। घर के बड़ों के लिए बच्चे के दुनिया में दस्तक देने के बाद का यह समय बहुत सजग रहने का होता है। इंफेंट केयर में जरा सी चूक शिशुओं को आगे के लिए भी कई परेशानियों का शिकार बना सकती है। खासकर पैरेंट्स को न्यू–बॉर्न बेबी की सुरक्षा और विकास के बारे में अवेयर रहना चाहिए। ब्रेस्ट फीडिंग से लेकर वैक्सीनेशन और किसी तरह की जन्मजात तकलीफ का इलाज करवाने तक, ये शुरुआती दिन बेहद अहम होते हैं। इतना ही नहीं, मौसमी बीमारियों और दूसरे इन्फेक्शन से बचाने के लिए साफ–सफाई का भी ध्यान रखना होता है।असल में ऐसी छोटी–छोटी गलतियों के चलते हमारे देश में आज भी इंफेंट मोरटैलिटी के आंकड़े चिंता का विषय बने हुए हैं। ऐसे में हर न्यू बॉर्न केयर वीक के दौरान नवजात शिशुओं की बेहतर ढंग से देखभाल करने की जागरूकता लाने का संदेश दिया जाता है। वर्ष 2025 के लिए इस सप्ताह का विषय 'नवजात सुरक्षा– हर स्पर्श, हर बार, हर शिशु के लिए रखा गया है। जो कि सही मेडिकल केयर के साथ ही नवजात की देखभाल के लिए अपनों की सहभागिता पर भी बल देती है।

मां का दूध और स्वच्छता

मां के दूध को तो नवजात का पहला टीका कहा जाता है। शिशु के स्वास्थ्य के लिए अमृत माना जाता है। ऐसे में जन्म के बाद बच्चे को ब्रेस्ट फीडिंग करवाना आवश्यक है। इसके लिए माताओं में भी सजगता होना जरूरी है। साथ ही ब्रेस्ट फीडिंग शुरू करने में देरी हो जाए तो नवजात शिशु भी मां का दूध पीने में सहज नहीं रहता। डॉक्टर की सलाह के मुताबिक सही समय पर बच्चे को मां का दूध पिलाना शुरू कर दिया जाए तो यह न्यू–बॉर्न बेबी के लिए की सेहत के लिए सुरक्षा कवच बन जाता है। इसके साथ ही इस समय साफ–सफाई का ध्यान रखना भी बहुत जरूरी है। जन्म के बाद के शुरुआती दिनों में नवजात बच्चों को कई तरह के इन्फेक्शन हो जाते हैं। इनकी एक बड़ी वजह स्वच्छता न रखना भी है। हमारे यहां 40 प्रतिशत नवजात शिशुओं का जीवन डिलीवरी के दौरान या जन्म के बाद पहले चौबीस घंटों के भीतर छिन जाता है। इंफेंट मोरटैलिटी के इन आंकड़ों के कई कारण हैं। इन जानलेवा वजहों में जन्म के बाद संक्रमित होना भी शामिल है। न्यू बॉर्न केयर वीक में नवजात शिशु के जीवन के पहले 28 दिनों के नाजुक समय में सही केयर, साफ–सफाई, मेडिकल केयर और सही पोषण जैसे पहलुओं पर जागरूकता लाने का प्रयास किया जाता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक नवजात अवस्था बच्चे के जन्म के बाद शुरू होकर जीवन के पहले 28 दिनों तक चलती है।

वैक्सीनेशन और पोषण

खुशी का यह समय बहुत ज्यादा सावधान रहने का भी होता है। खासकर टीके लगवाने में तो कोई देरी नहीं होनी चाहिए। शिशु को नियमित डॉक्टर को दिखाने, उसके वजन का ध्यान रखने और चिकित्सक की सलाह के मुताबिक समय–समय पर लगने वाले वैक्सीन लगवाने की प्रक्रिया फॉलो करना जरूरी है। इस मामले में हुई गलती बच्चे को किसी बड़ी बीमारी के जाल में फंसा सकती है। साथ ही सही पोषण ना मिलने से बच्चे का वजन भी कम होने लगता है। यह विशेष दिन शिशुओं की सही सम्भाल–देखभाल कर उनका जीवन सहेजने की सजगता लाने से ही जुड़ा है। समझना मुश्किल नहीं कि सही समय पर वैक्सीनेशन और सही पोषण दोनों से जुड़ी अवेयरनेस नवजातों का जीवन सहेजने के लिए आवश्यक है। जीवन सहेजने वाली पहल 'न्यू बोर्न केयर वीक' की शुरुआत वर्ष 2014 में की गई। बीते ग्यारह वर्ष से हर साल 15 से 21 नवंबर तक सप्ताह भर जागरूकता से जुड़े कई विषयों पर चर्चा होती है। ध्यान देने वाली बात है कि यह पहल भारत नवजात शिशु कार्य योजना का हिस्सा है। साथ ही दुनियाभर में अपनी तरह की यह पहली मुहिम है। इस पहल का लक्ष्य 2030 तक नवजात शिशुओं की मृत्यु और स्टिल बर्थ को कम करना है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत चल रही इस इस योजना के तहत डिलीवरी, जन्म के समय सही केयर और बीमार नवजात शिशुओं की देखभाल जैसी बातें शामिल हैं।

सही कपड़ों के चुनाव से स्लिम–ट्रिम लुक

महिलाओं के लिए अपनी हाइट और फीचर्स के मुताबिक कपड़ों का चुनाव बहुत महत्वपूर्ण है। अगर किसी महिला को अपनी लंबाई कम महसूस होती हो तो हाई–वेस्ट बॉटम्स, वर्टिकल स्ट्राइप्स के साथ ही मोनोक्रोम आउटफिट्स बेहतर लुक प्रदान कर सकते...

महिलाओं के लिए अपनी हाइट और फीचर्स के मुताबिक कपड़ों का चुनाव बहुत महत्वपूर्ण है। अगर किसी महिला को अपनी लंबाई कम महसूस होती हो तो हाई–वेस्ट बॉटम्स, वर्टिकल स्ट्राइप्स के साथ ही मोनोक्रोम आउटफिट्स बेहतर लुक प्रदान कर सकते हैं। उसके साथ ही ज्वेलरी लंबी चुनें। सही रंग, सही फिट और सही डिजाइन अपनाकर महिलाएं स्लिम और ग्रेसफुल के अलावा लंबी भी नजर आ सकती हैं, बेशक कद–काठी एवरेज से कम हो। जानिए आपके लिए सबसे परफेक्ट स्टाइल कौन–से हैं, खासकर शादी और पार्टी जैसे मौकों पर।

मोनोक्रोम–एक रंग में परफेक्ट पहनावा

मोनोक्रोम आउटफिट पटीट गर्ल्स यानी जरा कम कद–काठी की महिलाओं के लिए बहुत ही उपयुक्त है। एक ही रंग का स्वेटर, पैंट, जैकेट या दुपट्टा पहनने से शरीर लंबा दिखता है और भारीपन भी कम लगता है। सर्दियों में ब्लैक, ग्रे, क्रीम, बेज, ब्राउन, नेवी और पेस्टल टोन बेहद आकर्षक दिखते हैं। मोनोक्रोम में वूलन को–ऑर्ड सेट, लाइट निट स्वेटर या एक–सा कलर पैलेट वाला इंडोवेस्टर्न पहनावा सबसे स्लिमिंग प्रभाव देता है।

हाई–वेस्ट जीन्स व बॉटम

हाई–वेस्ट स्ट्रेट जीन्स, बूटकट जीन्स, वूलन जेगिंग्स और सिगरेट पैंट पटीट महिलाओं पर बेहतर दिखते हैं। हाई–वेस्ट पैरों को लंबा दिखाता है और पेट का भारीपन भी छिपाता है। मॉमदृफिट जीन्स भी पहन सकती हैं, लेकिन बेहद चौड़ी पैंट या लो–वेस्ट बॉटम से बचेंकृये हाइट को कम दिखाते हैं। सर्दियों में गहरे रंग की जीन्स स्लिम लुक देती है।

टॉप की लंबाई और डिजाइन

छोटी हाइट में टॉप की लंबाई बहुत फर्क डालती है। हिप–लेंथ टॉप, स्वेटर या जैकेट सबसे संतुलित दिखते हैं। बहुत लंबा टॉप हाइट काट देता है, और बहुत छोटा टॉप बॉडी को भारी दिखाता है। रैप–स्टाइल और अंगरखा पैटर्न वाली कुर्ती या टॉप पटीट गर्ल्स पर खासतौर पर अच्छी लगती है, क्योंकि इनमें बनी तिरछी लाइनें शरीर को स्लिम और लंबा दिखाती हैं। मिडी ड्रेस पहनते समय पतली सी बेल्ट जोड़ेंकृयह बॉडी को शेप में रखती है।

वर्टिकल प्रिंट्स और लंबी लाइनें

ऊपर से नीचे गिरती सीधी लाइनों वाले पैटर्न भी पटीट हाइट वाली लड़कियों के लिए बेहतर होते हैं। वर्टिकल स्ट्राइप स्वेटर, स्ट्रेट, लॉन्ग लाइन श्रग, वर्टिकल कढ़ाई और सीधी सिलाई वाली जैकेट हाइट को बढ़ाती है। हॉरिजॉन्टल और बड़े बोल्ड डिजाइन से बचेंकृये शरीर को चौड़ा दिखाते हैं।

हल्का फैब्रिक और सटल डिजाइन

बहुत मोटे, भारी फैब्रिक या लाउड प्रिंट्स एवरेज से कम कद की महिलाओं पर भारी लगते हैं। इसलिए सर्दियों में सॉफ्ट वूल, लाइट निट, क्रेप ब्लैंड और स्मूद वॉर्म फैब्रिक चुनें। कुर्ती पर बड़े मोटिफ या भारी पैचवर्क की जगह सटल, लाइनर कढ़ाई अधिक सुंदर लगती है।

हील्स, नी लेंथ और स्लिम फुटवेयर

फुटवेयर पटीट गर्ल्स की हाइट पर सीधा असर डालता है। हील्स पैरों को लंबा करती हैं, जबकि नी लेंथ बूट सर्दियों में हाइट बढ़ाने का सबसे आसान तरीका हैं। वेज–सोल स्नीकर्स भी लंबाई देते हैं और आरामदायक होते हैं। एंकल बूट्स से बचेंकृये हाइट को दिखाते हैं।

ज्वेलरी चुनें लंबी और हल्की

लंबी चेन, पतला पेंडेंट, लंबे ईयररिंग और हल्का ब्रेसलेट पटीट हेवी गर्ल्स के लिए बेस्ट हैं। भारी नेकलेस, चोकर या चौड़ी ज्वेलरी गर्दन को छोटी और बॉडी हेवी दिखाती है। इंडो–वेस्टर्न में मिरर ज्वेलरी तभी चुनें जब डिजाइन मिनिमल हो।

हेयरस्टाइल

हाई पोनीटेल चेहरा और गर्दन दोनों को लंबा दिखाती है। टॉप बन या

हाई बन छोटे कद पर बहुत आकर्षक लगता है। लेयर कट चेहरे को स्लिम दिखाता है। बहुत भरी हुई कर्ल्स या लो बन सर्दियों में कम अपनाएं।

कुर्ती, श्रग और इंडोदृवेस्टर्न स्टाइल

सीधी वी लेंथ कुर्ती पटीट हेवी गर्ल्स के लिए उपयुक्त है। इसके ऊपर लांग लाइन श्रग या वूलन कार्डिगन पहनेंकृइससे सीधी वर्टिकल लाइन बनती है और शरीर लंबा दिखता है। फारसी सलवार सामान्य सलवार से अधिक स्लिम दिखती है। मिडी ड्रेस. बेल्ट. लम्बा श्रग सर्दियों का एक परफेक्ट, हाइट बढ़ाने वाला कॉम्बिनेशन है।

साड़ी ऐसे पहनें...

पतली बॉर्डर, हाई वैस्ट प्लीट्स, हल्के फैब्रिक (जॉर्जेट, शिफॉन, क्रेप) और वी नैक ब्लाउज पटीट महिला पर सबसे फाइन और लंबा लुक देते हैं। पल्लू को वर्टिकल में रखें ताकि सीधी लाइन बने और बॉडी लंबी लगे।

क्यूरेटर के बयान से बढ़ी हलचल, गावस्कर-कैफ ने कोच गंभीर पर साधा निशाना

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच ईडन गार्डन्स में खत्म हुए पहले टेस्ट ने भारतीय क्रिकेट में एक बड़ा भूचाल ला दिया है। 124 रन के मामूली लक्ष्य का पीछा करते हुए टीम इंडिया 93 पर ऑल आउट हुई और महज तीन दिनों में मैच हार गई। इस प्रदर्शन ने नए विवाद को जन्म दिया। भारतीय टीम की यह पिछले 13 महीने में घर पर टेस्ट में चौथी हार रही। इससे खिलाड़ियों से लेकर टीम मैनेजमेंट की रणनीति तक पर सवाल उठे। हालांकि, टीम इंडिया के हेड कोच गौतम गंभीर ने मैच के बाद पिच को लेकर बयान दिया था और इसने ईडन गार्डन्स को सवालों के कटघरे में ला खड़ा किया। इस पर अब पिच क्यूरेटर का बयान सामने आया है। इसके अलावा सुनील गावस्कर और मोहम्मद कैफ ने भी गंभीर पर निशाना साधा है। टेस्ट मैच के बाद जब आलोचना का माहौल गर्म हुआ, तो ईडन गार्डन्स के पिच क्यूरेटर सुजान मुखर्जी ने पहली बार अपनी बात खुलकर रखी। उनका कहना था, श्यह पिच बिल्कुल खराब नहीं थी। मैं टेस्ट पिच तैयार करना जानता हूं और मैंने वही किया जिसकी मुझे निर्देश दिए गए थे।श मुखर्जी ने साफ किया कि उन्होंने अपनी ओर से कोई मनमानी नहीं की, बल्कि टीम मैनेजमेंट के निर्देशों के अनुसार ही सतह तैयार की। यह बयान आते ही क्रिकेट जगत में चर्चा तेज हो गई कि आखिर किसके आदेश पर यह टर्निंग, अनिश्चित और असमान बाउंस वाली पिच तैयार की गई थी? जब गंभीर ने मैच के बाद कहा कि श्विकेट में कोई डेमन नहीं थेश और बल्लेबाजों पर दबाव संभालने की कमी का आरोप लगाया, तो क्यूरेटर की बात और गंभीर की मांगों का मेल एक नई बहस को जन्म दे गया। भारत की हार के बाद महान बल्लेबाज सुनील

गावस्कर ने ऐसा बयान दिया जिसने विवाद को नई दिशा दे दी। गवास्कर ने साफ शब्दों में कहा कि कोच, टीम मैनेजमेंट या खिलाड़ियों को क्यूरेटर पर दबाव नहीं डालना चाहिए। गवास्कर बोले, श्क्यूरेटर को अकेला छोड़ देना चाहिए। वही अपना काम सबसे बेहतर जानता है। जब आप उसे पिच ऐसी–वैसी बनाने को कहते हैं, तो चीजें उलटी पड़ जाती हैं।श आईपीएल का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि वहां कोई भी क्यूरेटर पर दबाव नहीं डाल सकता, लेकिन राष्ट्रीय स्तर पर हस्तक्षेप से नतीजे बिगड़ते हैं। उनके बयान को सीधे तौर पर गंभीर की रणनीति और मांगों की ओर इशारा माना जा रहा है। गंभीर पर पूर्व क्रिकेटर मोहम्मद कैफ ने भी निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि क्यूरेटर ने पिच वैसी इसलिए बनाई क्योंकि कोच गंभीर की मांग थी और ठ।ठ अध्यक्ष सौरव गांगुली को मजबूरी में मानना पड़ा। कैफ ने अपने यूट्यूब चौनल पर कहा, श्गांगुली ऐसी पिच कभी नहीं चाहते। उन्होंने पद संभालते ही कहा था कि ईडन पर स्पोर्टिंग विकेट बनेंगे, लेकिन गंभीर ने कहा तो करना पड़ा। वह खुश नहीं होंगे। भविष्य में ऐसी पिच ईडन पर दोबारा नहीं बनेगी। कैफ यहीं नहीं रुके। उन्होंने टीम इंडिया की तैयारी पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा, श्भारत को 123 रन चेज करना चाहिए था। पर हम ऐसी पिचों पर खेलते ही नहीं। व्हाइट बॉल क्रिकेट खेलकर आते हैं, टेस्ट की मेहनत कहां?श कैफ ने गंभीर के तर्क श्यह पिच वैसी ही थी जैसी हम चाहते थेश पर भी चुटकी ली और कहा कि टीम को अपनी वास्तविक ताकत पहचाननी चाहिए। उनके मुताबिक, दक्षिण अफ्रीका ने स्पिन–ट्रैप के लिए बेहतर तैयारी की थी और इसी कारण भारतीय रणनीति उलटी पड़ी।

पीएके के खिलाफ हार के बाद मुश्किल हुई भारत की राह

नई दिल्ली, (एजेंसी)। एशिया कप राइजिंग स्टार्स 2025 के ग्रुप मुकाबले में रविवार को पाकिस्तान ए ने भारत ए को आठ विकेट से हरा दिया। इस हार के साथ ही जितेश शर्मा की अगुआई वाली टीम की सेमीफाइनल में पहुंचने की राह मुश्किल हो गई है। पाकिस्तान ने 137 रन के लक्ष्य को मात्र 13.2 ओवर में हासिल कर न सिर्फ मैच जीता, बल्कि सेमीफाइनल में अपनी जगह भी पक्की कर ली। यूएई के खिलाफ वैभव सूर्यवंशी की तूफानी 42 गेंदों की 144 रन की पारी के बाद भारतीय बल्लेबाजों से फिर शानदार प्रदर्शन की उम्मीद थी। मैच की शुरुआत भी अच्छी रही, वैभव सूर्यवंशी और नमन धीर ने टीम को मजबूत आधार दिया। लेकिन नौवें और 10वें ओवर में दोनों सेट बल्लेबाजों के आउट होते ही भारत की पारी बिखर गई। टीम अचानक 136 के स्कोर पर ऑलआउट हो गई। इसके बाद पाकिस्तान के सलामी बल्लेबाज माज सदाकत ने नाबाद 79 रन बनाकर मैच को एकतरफा बना दिया। भारत के तेज गेंदबाज न शुरुआत में झटके दे सके और न ही रन रोक पाए। हार के बाद भारत ए अंक तालिका में दूसरे स्थान पर खिसक गया है। पाकिस्तान के चार अंक हो चुके हैं और वह पहले ही सेमीफाइनल में पहुंच चुका है। भारत और ओमान दोनों के पास 2–2 अंक हैं। भारत को सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए ओमान के खिलाफ खेले जाने वाले मैच में हर हाल में जीत दर्ज करनी होगी। मंगलवार को खेले जाने वाले मैच में जो टीम जीतेगी, वही पाकिस्तान के साथ सेमीफाइनल के लिए क्वालिफाई करेगी। इसके अलावा भारत को सिर्फ जीत ही नहीं, बल्कि बेहतर नेट रन रेट का भी ध्यान रखना होगा, ताकि सेमीफाइनल का ड्रॉ उनके पक्ष में रहे। ग्रुप बी से संयुक्त अरब अमीरात का सफर पहले ही समाप्त हो चुका है, अब उन्हें मंगलवार को पाकिस्तान के खिलाफ अपना अंतिम ग्रुप मुकाबला खेलना है।

पाकिस्तान में अचानक खराब हुई इन दो श्रीलंकाई खिलाड़ियों की तबीयत

नई दिल्ली, (एजेंसी)। श्रीलंका क्रिकेट (एसएलसी) ने सोमवार को बताया कि कप्तान चरिथ असलंका सहित श्रीलंकाई क्रिकेट टीम के दो सीनियर खिलाड़ी बीमारी के कारण पाकिस्तान में टी20 त्रिकोणीय सीरीज छोड़कर स्वदेश लौटेंगे। एसएलसी ने बयान में कहा कि दासुन शनाका को त्रिकोणीय सीरीज के लिए कप्तान नियुक्त किया गया है जिसमें मेजबान टीम और जिम्बाब्वे भी शामिल हैं जबकि तेज गेंदबाज असिथ फर्नांडो की जगह पवन रत्नायके को टीम में शामिल किया गया है। एसएलसी ने एक्स पर लिखा, श्दो खिलाड़ी स्वदेश लौट रहे हैं। कप्तान चरित असलंका और तेज गेंदबाज असिथ फर्नांडो। दोनों ही बीमारी हैं और स्वदेश लौटेंगे। दोनों खिलाड़ी श्रीलंका, पाकिस्तान और जिम्बाब्वे के बीच होने वाली आगामी त्रिकोणीय सीरीज में हिस्सा नहीं लेंगे। बोर्ड ने बीमारी की प्रकृति के बारे में विस्तार से नहीं बताया। एसएलसी ने कहा कि दोनों को वापस बुलाया गया है जिससे कि व्यस्त सत्र से पहले उन्हें उचित चिकित्सा सुविध ा मिल सके। बयान के अनुसार, श्यह एहतियाती फैसला यह सुनिश्चित होंगे। उनकी जगह पवन रत्नायके को टी20 अंतरराष्ट्रीय टीम में शामिल किया गया है।श हाल ही में इस्लामाबाद में हुए घातक आत्मघाती हमले के बाद सुरक्षा चिंताओं के कारण श्रीलंकाई टीम के कई खिलाड़ी स्वदेश लौटना

करता है कि उन्हें उचित देखभाल मिले और भविष्य के मुकाबलों से पहले उन्हें ठीक होने के लिए पर्याप्त समय मिले। इसमें कहा गया, श्असलंका की अनुपस्थिति में दासुन शनाका कप्तान चाहते थे लेकिन पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के प्रमुख मोहसिन नकवी ने उन्हें कड़ी सुरक्षा का आश्वासन दिया जिसके बाद मेहमान टीम ने वहीं रुकने का फैसला किया।

इस दिन तय हो सकता है महिला प्रीमियर लीग का कार्यक्रम, 27 नवंबर को होनी है मेगा नीलामी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल 2026) के आगामी सत्र का कार्यक्रम 26 नवंबर (बुधवार) को तय हो सकता है। 27 नवंबर को डब्ल्यूपीएल 2026 की मेगा नीलामी दिल्ली में होनी है, इससे पहले गवर्निंग काउंसिल की बैठक में टूर्नामेंट का कार्यक्रम तय किया जा सकता है। सोमवार को एक अधिकारी ने समाचार एजेंसी पीटीआई से कहा, श्हम डब्ल्यूपीएल के अगले संस्करण के लिए स्थानों और कार्यक्रमों को अंतिम रूप देने के लिए 26 नवंबर को बैठक करेंगे। डब्ल्यूपीएल के आगामी सत्र का आयोजन समय से पहले हो सकता है। दरअसल, भारत और श्रीलंका की मेजबानी में पुरुष टी20 विश्व कप का आयोजन होना है, जिसके बाद आईपीएल खेला जाएगा। क्रिकबज की रिपोर्ट के अनुसार, डब्ल्यूपीएल 2026 का आयोजन 7 जनवरी से 3 फरवरी तक किया जा सकता है। इसके सभी मुकाबले दो स्टेडियम, नवी मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम और वडोदरा के कोतांबी स्टेडियम में खेले जा सकते हैं। दो बार की विजेता मुंबई इंडियंस गत विजेता के रूप में उतरेगी। हरमनप्रीत कौर की अगुआई में टीम ने दिल्ली कैपिटल्स को फाइनल में हराकर महिला प्रीमियर लीग 2025 का खिताब जीता था। इससे पहले मुंबई 2023 में विजेता बनी थी। वहीं, रॉयल चौलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने सिर्फ एक बार डब्ल्यूपीएल (2024) का खिताब जीता है।

भारत-पाकिस्तान तनाव के बीच दिखी खेलभावना, खिलाड़ियों ने मैच के बाद मिलाया हाथ

नई दिल्ली, (एजेंसी)। महिला टी20 विश्व कप फॉर द ब्लाइंड में 16 नवंबर को भारत और पाकिस्तान की खिलाड़ी मैदान पर भिड़ीं, लेकिन मैच के बाद उन्होंने जो किया, उसने सभी का ध्यान खींच लिया। श्रीलंका के कटुनायके स्थित बीओआई क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले के बाद दोनों टीमों की खिलाड़ियों ने एक–दूसरे से हाथ मिलाया। यह इसलिए खास रहा क्योंकि हाल के महीनों में दोनों देशों के बीच कई टूर्नामेंट्स में नो–हैंडशेक पॉलिसी चल रही थी। एशिया कप से शुरू हुआ यह ट्रेंड पुरुष टीमों तक पहुंचा था, जहां सूर्यकुमार यादव की टीम इंडिया और सलमान आगा की पाकिस्तान टीम ने भी हैंडशेक नहीं किया था। यही सिलसिला महिला वर्ल्ड कप और राइजिंग स्टार्स एशिया कप तक जारी रहा, लेकिन इस मैच ने उस दूरी को पलों में मिटा दिया। जानकारी के अनुसार, दोनों टीमें एक ही बस से स्टेडियम पहुंचीं और मैच के बाद भी एक–दूसरे को बधाई दी। पाकिस्तान की कप्तान निमरा रफीक ने भारत की जीत स्वीकार की, जबकि भारत की कप्तान दीपिका टी.सी. ने पाकिस्तान की मेहनत की सराहना की। मैच की बात करें तो भारत ने पाकिस्तान को बुरी तरह मात दी। पाकिस्तान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 135ध्8 का स्कोर खड़ा किया। जवाब में भारत ने यह लक्ष्य महज 10.2 ओवर में दो विकेट खोकर हासिल कर लिया। भारत की ओपनर दीपिका टी.सी. ने 21 गेंदों पर 45 रन बनाए, जबकि अनेखा देवी ने 34 गेंदों पर 64 रन' की शानदार पारी खेली। दोनों का स्ट्राइक रेट क्रमशः 214. 29 और 188.24 रहा। पाकिस्तान की 12 एक्स्ट्रा रन की गलती उनकी मुश्किल बढ़ाती चली गई। 2025 महिला ब्लाइंड टी20 वर्ल्ड कप में टीम इंडिया का प्रदर्शन अब तक लाजवाब रहा है। श्रीलंका के खिलाफ पहला मैच भारत ने 10 विकेट से जीता था। मेजबान टीम को सिर्फ 41 पर रोककर भारतीय टीम ने महज तीन ओवर में लक्ष्य हासिल कर लिया था। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भी भारतीय टीम का प्रदर्शन शानदार रहा। कप्तान दीपिका के 91 और फुला सारेन के नाबाद 54 रन की मदद से भारत ने 20 ओवर में 292ध 4 का स्कोर बनाया। जवाब में ऑस्ट्रेलिया मात्र 57 पर ऑल आउट हो गई। भारत ने 209 रन की विशाल जीत हासिल की। पाकिस्तान के खिलाफ भी भारत ने अपनी जीत की लय बरकरार रखी और लगातार पांचवीं जीत हासिल की।

मध्य-पूर्व में बढ़ी कूटनीतिक हलचल, ट्रंप ने सऊदी को F-35 देने पर लगाई मुहर

वॉशिंगटन , (एजेंसी)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सऊदी अरब को अत्याधुनिक F–35 लड़ाकू जेट बेचने की मंजूरी देकर मध्य–पूर्व की राजनीति में हलचल पैदा कर दी है। क्राउन प्रिंस बिन सलमान की वॉशिंगटन यात्रा से ठीक पहले आया यह एलान ट्रंप की एब्राहम अकॉर्ड्स को आगे बढ़ाने की कोशिशों से जुड़ा है, जबकि दूसरी ओर इस्राइल की सुरक्षा चिंताएं और टेक्नोलॉजी चीन तक जाने का खतरा अब भी बड़ा सवाल खड़ किए हुए है। ट्रंप ने सोमवार को सऊदी अरब को लड़ाकू जेट देने वाली बात का एलान करते हुए कहा कि वे सऊदी अरब को F–35 फाइटर जेट बेचेंगे। उन्होंने सऊदी अरब को अमेरिका का मजबूत सहयोगी बताया। साथ ही सऊदी अरब के साथ लंबी रणनीतिक साझेदारी का हवाला देते हुए ट्रंप ने कहा कि वे एक महान साथी रहे हैं। यह घोषणा ऐसे समय में हुई है, जब सऊदी क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान अपनी पहली महत्वपूर्ण यात्रा पर वॉशिंगटन पहुंचे हैं, सात साल बाद यह उनका पहला अमेरिकी दौरा है। हालांकि इस इसी से संबंधित मामले में ट्रंप से पूछा गया कि क्या वह F–35 जेट बेचने का वादा निभाएंगे, तो उन्होंने सीधा जवाब दिया कि हम यह करेंगे। हम F–35 बेचेंगे। बता दें कि क्राउन प्रिंस बिन सलमान की उम्मीद थी कि ट्रंप प्रशासन उन्हें सैन्य सुरक्षा की गारंटी देगा और साथ ही अमेरिका में निर्मित अत्याधुनिक F–35 लड़ाकू विमानों की खरीद का समझौता भी तय किया जाएगा। यह घोषणा ट्रंप के मध्य–पूर्व में शांति योजना के हिस्से के रूप में आई है। ट्रंप चाहते हैं कि सऊदी अरब और इस्राइल के बीच एब्राहम अकॉर्ड्स फिर से विस्तार पाएं, वह इसे मध्य–पूर्व में दीर्घकालीन स्थिरता के लिए बेहद अहम मानते हैं। ट्रंप ने कहा कि मुझे उम्मीद है कि सऊदी अरब बहुत जल्द एबराहम अकॉर्ड्स में शामिल होगा। लेकिन इस राह में बाधाएं भी कम नहीं हैं। सऊदी अरब ने स्पष्ट किया है कि फलस्तीनी राज्य के लिए एक सुनिश्चित रास्ता उनकी सहमति की शर्त हो सकता है और यह इस्राइल की मजबूत अस्वीकृति का विषय है। हालांकि इस मामले में तीन अमेरिकी प्रशासनिक अधिकारियों की मानें तो, ट्रंप की दूसरी पारी के अंत तक इस पर सौदा हो सकने की अंतिम आशा है, मगर यह पूरी तरह सुनिश्चित नहीं है। गौरतलब है कि 2020 में ट्रंप प्रशासन ने पहले ही संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) को 50 F–35 जेट बेचने की योजना बनाई थी, जो लगभग 23 अरब डॉलर का बड़ा हथियार सौदा था, लेकिन बाद में उस प्रस्ताव पर विवादों और राजनीतिक मसलों के चलते कार्रवाई ठप हो गई। माना जा रहा है कि इस घोषणा के साथ, ट्रंप एक बड़े भू–राजनीतिक खेल में आगे बढ़ रहे हैं, जहां सैन्य बिक्री, मध्य–पूर्व में शांति और अमेरिका की रणनीतिक प्राथमिकताएं आपस में गहराई से जुड़ी हुई हैं।

फुटबाल विश्व कप देखने वालों अमेरिका जाने में होगी आसानी

वॉशिंगटन, (एजेंसी)। अमेरिका ने अगले साल होने वाले फुटबॉल विश्व कप के लिए आने वाले विदेशी यात्रियों की वीजा प्रक्रिया तेज करने के लिए श्फीफा पासश नाम की नई पहल शुरू की है। इस सुविधा के तहत वे लोग, जिन्होंने फीफा से विश्व कप मैचों के टिकट खरीदे हैं, उन्हें वीजा इंटरव्यू के लिए जल्दी समय

मिल सकेगा। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, जो आम तौर पर कड़े आव्रजन रुख के लिए जाने जाते हैं, विश्व कप के लिए बढ़ रही दुनिया भर की यात्रा को देखते हुए यह व्यवस्था ला रहे हैं ताकि फुटबाल विश्व कप देखने के लिए अमेरिका आने वालों को आसानी हो सके। फीफा के अध्यक्ष जियानी इंफांटिनो सोमवार को व्हाइट हाउस में ट्रंप से मिले। उन्होंने बताया कि यह सिस्टम– जिसका पूरा नाम– श्प्रायोरटाइज्ड अप्वाइंटमेंटस शेड्यूलिंग सिस्टमश –टिकटधारकों को एक खास श्फीफा पोर्टलश के जरिये वीजा अप्वाइंटमेंट को प्राथमिकता दिलाएगा। इंफांटिनो ने कहा, श्अगर आपके पास विश्व कप का टिकट है, तो आपको वीजा के लिए प्राथमिकता मिलेगीश आपने खुद कहा था, मिस्टर प्रेसिडेंट– अमेरिका दुनिया का स्वागत करता है। इस दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने फुटबाल विश्व कप के प्रेमियों से अपील की कि वे श्जितनी जल्दी हो सकेश वीजा के लिए आवेदन करें। वहीं अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने बताया कि विश्व कप से पहले दुनिया भर में अमेरिकी वाणिज्य दूतावासों में 400 से ज्यादा अतिरिक्त अधिकारी भेजे गए हैं ताकि बढ़ती मांग को संभाला जा सके। उनके मुताबिक, दुनिया के करीब 80: इलाकों में लोग 60 दिनों के भीतर वीजा इंटरव्यू पा सकते हैं।

सुरक्षा के दृष्टिकोण से बदला जा सकता है मैच का स्थान

इस बातचीत के दौरान ट्रंप ने एक बार फिर कहा कि अगर उन्हें किसी शहर की सुरक्षा को लेकर चिंता हुई, तो वे इंफांटिनो से कहेंगे कि वहां से मैच को दूसरी जगह शिफ्ट किया जाए। उन्होंने यह टिप्पणी सिएटल को लेकर की, जहां नई मेयर के रूप में केटी विल्सन, जो एक प्रगतिशील एक्टिविस्ट हैं, हाल ही में चुनी गई हैं। सिएटल अगले साल अमेरिका के 11 मेजबान शहरों में से एक है।इंफांटिनो ने इस मुद्दे पर सीधे तौर पर कुछ नहीं कहा, लेकिन यह जरूर दोहराया कि श्विश्व कप की सफलता के लिए सुरक्षा सबसे अहम हैश और टिकट बिक्री देखकर यह साफ है कि लोग अमेरिका पर भरोसा कर रहे हैं।

5 दिसंबर को फीफा विश्व कप ड्रॉ का आयोजन

अगले साल होने वाले फुटबाल विश्व कप में कुल 104 मैच अमेरिका, कनाडा और मेक्सिको में खेले जाएंगे। ट्रंप इसके आयोजन को अपनी प्राथमिकता बताते रहे हैं। इसी वजह से इंफांटिनो कई बार व्हाइट हाउस आ चुके हैं। फीफा 5 दिसंबर को वॉशिंगटन डीसी के केनेडी सेंटर में विश्व कप ड्रॉ आयोजित करेगा, जिसका संचालन अब ट्रंप समर्थकों के हाथ में है।

गाजा के लिए अमेरिका की योजना को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा की मंजूरी

संयुक्त राष्ट्र, (एजेंसी)। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने गाजा के लिए अमेरिकी योजना को मंजूरी देकर अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा बल की राह खोल दी है। ऐसे में अब संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने सोमवार को गाजा के लिए अमेरिकी योजना को मंजूरी दे दी, जिसमें एक अंतरराष्ट्रीय स्थिरीकरण बल की तैनाती और भविष्य में फलस्तीनी राज्य की संभावित राह का जिक्र है। हालांकि दूसरी ओर रूस और चीन ने मतदान से दूरी बनाई, जबकि 13 देशों ने प्रस्ताव के पक्ष में वोट दिया। अमेरिका को उम्मीद थी कि रूस अपना वीटो इस्तेमाल नहीं करेगा। बता दें कि दो साल से चल रहे इस्राइलदृहमास युद्ध के बाद यह प्रस्ताव गाजा में जारी नाजुक युद्धविराम को मजबूत करने की दिशा में बड़ा कदम माना जा रहा है। कई अरब और मुस्लिम देशों ने पहले ही संकेत दे दिया था कि वे गाजा में सुरक्षा के लिए अंतरराष्ट्रीय बल भेजने में तभी हिस्सा लेंगे, जब सुरक्षा परिषद से इसकी औपचारिक अनुमति मिल जाए। ज्यादा रोचक बात ये है कि अमेरिकी प्रस्ताव में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की 20 बिंदुओं वाली युद्धविराम योजना को समर्थन दिया गया है। इसके तहत श्बोर्ड ऑफ पीसश नाम की एक अस्थायी प्राधिकरण का गठन होगा, जिसकी अगुवाई खुद ट्रंप करेंगे। यह बोर्ड और सुरक्षा बल गाजा की सीमाओं की निगरानी, सुरक्षा व्यवस्था और क्षेत्र के

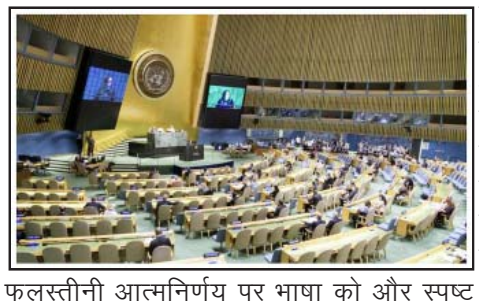

हथियारमुक्त जैसे व्यापक काम संभालेंगे। इन सबकी अनुमति 2027 के अंत तक लागू रहेगी। इसके इतर लगभग दो हफ्तों तक चली बातचीत में अरब देशों और फलस्तीनियों ने अमेरिका पर दबाव डाला कि फलस्तीनी आत्मनिर्णय पर भाषा को और स्पष्ट और मजबूत बनाया जाए। इसके बाद संशोधित प्रस्ताव में यह कहा गया कि जब फलस्तीनी प्राधिकरण (पीए) जरूरी सुधार कर लेगा और जब गाजा का पुनर्निर्माण आगे बढ़ेगा, तो फलस्तीनी आत्मनिर्णय और राज्य की ओर एक विश्वसनीय रास्ता तैयार हो सकता है। मामले में अमेरिका ने यह भी कहा कि वह इस्राइल और फलस्तीन के बीच बातचीत शुरू करेगा ताकि शांतिपूर्ण और समृद्ध सह–अस्तित्व का राजनीतिक ढांचा बनाया जा सके। इन प्रस्वातों से इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की नाराजगी खुलकर सामने आ रही है। उन्होंने कहा कि वह किसी भी तरह फलस्तीनी राज्य की स्थापना का विरोध करेंगे। उनका तर्क है कि यह कदम हमास को इनाम देने जैसा होगा और आगे चलकर इस्राइल की सीमा पर एक और बड़ा हमास–नियंत्रित राज्य बन सकता है। गौरतलब है कि अमेरिका को प्रस्ताव पारित कराने में अरब और मुस्लिम देशों का समर्थन निर्णायक साबित हुआ। कतर, मिस्र, यूएई, सऊदी अरब, इंडोनेशिया, पाकिस्तान, जॉर्डन और तुर्की ने एक संयुक्त बयान जारी कर प्रस्ताव को जल्दी अपनाने की अपील की थी।

ब्रिटेन में शरण नीति में बड़ा और सख्त बदलाव, अस्थायी शरण और वीजा पेनल्टी होगी लागू

लंदन , (एजेंसी)। ब्रिटेन की शरण नीति में बड़ा बदलाव करते हुए प्रधानमंत्री किएर स्टार्मर और गृह मंत्री शबाना महमूद ने संसद में नए, कड़े नियम पेश किए हैं। इसके तहत अस्थायी शरण 20 साल तक सेटलमेंट की अवधि और अवैध लौटने वालों के लिए देशों पर वीजा पेनल्टी जैसी सख्त मेडिडास लागू होंगी। मामले में सरकार का कहना है कि इससे अवैध प्रवास रोका जाएगा और असली शरणार्थियों के लिए सुरक्षित, न्यायपूर्ण रास्ते खुलेंगे। पीएम स्टार्मर ने इस मामले में कहा कि देश की मौजूदा शरण व्यवस्था अवैध रूप से आने वाले लोगों के लिए बड़ा आकर्षण बन गई है। इसे रोकने के लिए गृह मंत्री शबाना महमूद ने संसद में नए कड़े सुधार पेश किए हैं। संसद में बयान से पहले जारी एक विस्तृत नीति दस्तावेज में स्टार्मर ने कई बड़े बदलावों की बात कही है, जैसे कि शरण पाने वालों को स्थायी निवास (सेटलमेंट) मिलने में अब 20 साल तक इंतजार करना पड़ सकता है। वहीं जो देश ब्रिटेन में अवैध तरीके से आए अपने नागरिकों को वापस नहीं लेते, उनके लिए वीजा पेनल्टी लगेगी। स्टार्मर ने कहा कि मौजूदा सिस्टम मानव तस्करी को बढ़ावा देता है और कई लोग, जो कानूनी तौर पर ब्रिटेन आते हैं, बाद में शरण लेने की कोशिश करने लगते हैं। उनके मुताबिक, अगर चौनल पार करके आने वालों की संख्या कम करनी है और शरण प्रणाली को न्यायपूर्ण बनाना है, तो कड़े नियम जरूरी हैं। ऐसे में नई नीति के अनुसार शरण मिलने पर दर्जा अस्थायी होगा, जब तक कि व्यक्ति अपने देश लौटने के लिए सुरक्षित न हो जाए। जिन शरणार्थियों के पास संपत्ति है, उन्हें अपने रहने का कुछ खर्च खुद देना होगा। जब सिस्टम पर नियंत्रण स्थापित होगा, तब सुरक्षित और कानूनी रास्तों से सीमित संख्या में शरणार्थियों को आने की अनुमति दी जाएगी। संसद में बयान देते हुए गृह मंत्री शबाना महमूद ने कहा कि यूके अब डेनमार्क जैसी सख्त मॉडल को अपनाएगा। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि अब सिर्फ आने वालों की संख्या कम करना काफी नहीं है, जिन्हें रहने का अधिकार नहीं है उनकी वापसी भी जरूरी है। उन्होंने बताया कि हाल के महीनों में कुछ असफल शरण मांगने वालों को स्वैच्छिक रूप से सीरिया भेजा गया है। महमूद ने घोषणा की कि अंगोला, कांगो (डीआरसी) और नामीबिया को पहली बार वीजा पेनल्टी वाली सूची में रखा गया है।

भारत की विकसित देशों को नसीहत- जलवायु वित्त में अरबों नहीं खरबों डॉलर दें और वादों को पूरा करें

बेलेम , (एजेंसी)। ब्राजील में आयोजित किए जा रहे कॉप30 सम्मेलन में भारत की तरफ से केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने शिरकत की। इस सम्मेलन में अपने संबोधन में भूपेंद्र यादव ने विकसित देशों को नसीहद दी कि वे नेट जीरों के लक्ष्य को तय समय से पहले हासिल करें। साथ ही उन्होंने विकसित देशों से जलवायु वित्त में खरबों डॉलर देने की भी मांग की। भूपेंद्र यादव ने तंज कसते हुए कहा कि कॉप30 सम्मेलन को वादों को लागू करने वाले सम्मेलन के तौर पर याद किया जाना चाहिए। भूपेंद्र यादव ने अमेजन में कॉप30 सम्मेलन के आयोजन के लिए ब्राजील सरकार की तारीफ की। उन्होंने अमेजन को पृथ्वी की पर्यावरणीय दौलत का जीवित प्रतीक बताया। यादव ने अपने संबोधन में विकसित देशों से अपील की कि वे अपने वादों को पूरा करें। उन्होंने कहा कि अब किफायती, हर किसी की पहुंच वाली जलवायु तकनीक की जरूरत है और ये सभी के लिए सुगम होनी चाहिए।

देश की उपासना
(हिन्दी साप्ताहिक)

स्वात्वाधिकारी की ओर से मेसर्स प्रभु दयाल प्रकाशन के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक पी.सी. श्रीवास्तव द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर (उ0 प्र0) से मुद्रित तथा ई–3464, राजाजीपुरम (मिनी स्टेडियम के पास) लखनऊ (उ0प्र0) से प्रकाशित।

सम्पादक
पी.सी. श्रीवास्तव
मो. 7007415808
9415034002

समाचार पत्र में छपे समस्त समाचार संवाददाताओं के अपने स्रोत एवं संकलन है। जिसमें सम्पादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

नोट : उपरोक्त सभी पद अवैतनिक एवं स्वयं सेवी है। तथा समाचार से सम्बन्धित सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा।

खबरों के लिए ई–मेल का प्रयोग करें–
deshkiupasanadailynews@gmail.com
dkunews01@gmail.com

पंजीकृत कार्यालय–उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर (उ0प्र0) 7007415808 / 9415034002